Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 115 | शुक्रवार, 30 अप्रैल-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

पांच विधान सभाओं के लिए मतदान प्रक्रिया सम्पन्न, अब चार मई की मतगणना की प्रतीक्षा

पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण में रिकार्ड 91.66 प्रतिशत मतदान, दोनों चरणों को मिला कर मतदान 92.47 प्रतिशत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में बुधवार को दूसरे चरण का मतदान सम्मन्न होने के साथ ही पांच विधान सभाओं के लिए मतदान की प्रक्रिया सम्पन्न हो गयी है। सभी जगहों पर मतगणना चार मई को करायी जाएगी। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राष्टव्यापी बहस के बीच पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और केंद्र शासित प्रदेश पुड्डुचेरी की विधानसभा के चुनावों में मतदाताओं ने बढ़चढ भागीदारी की। पश्चिम बंगला और तमिलनाडु में आजादी के बाद मतदान- प्रतिशत के नये रिकार्ड बने। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में हुए चुनाव में मतदान का कुल प्रतिशत 92.47 रहा। पहले चरण में 152 सीटों के लिए 23 अप्रैल को कराये गये मतदान में 93.19 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। दूसरे चरण में आज 142 सीटों पर कुल मिला कर 91.66 प्रतिशत मतदान हुआ। राज्य की कुल 294 सीटों के लिए 2926 उम्मीवार मैदान में हैं।

पश्चिम बंगाल में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ त्रिणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच है। कांग्रेस और वामपंथी दल भी जोर आजमाइश में हैं।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में 23 अप्रैल को सभी 234 सीटों पर कुल 84.93 प्रतिशत वोट पड़े। राज्य में कुल 4023 उम्मीदवार अपनी चुनावी किस्मत आजमा रहे हैं। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ द्रविण मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन और विपक्षी अन्न द्रमुक-भाजपा गठबंधन के बीच है। इस बार अभिनय की दुनिया से तमिलनाडु की राजनीति के अखाड़े में उतरे सी जोसफ विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने कुछ सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय बना दिया है।

इन विधान सभा चुनावों के पहले चरण में नौ अप्रैल को असम, केरल तथा पुड्डुचेरी में मतदान कराया गया।

असम में 85.46 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। राज्य की कुल 126 सीटों के लिये 722 उम्मीदवार मैदान में है। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारुढ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के बीच है। केरल में 78.17 प्रतिशत मतदान हुआ जहां 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।ज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले सयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा के बीच है। भाजपा भी राज्य में पूरे दम खम के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में लगी है।

पहले चरण में मतदान का सर्वाधिक प्रतिशत पुड्डुचेरी में रहा जहां 89.87 प्रतिशत वोट डाले गये। वहां 30 सीटों के लिए 294 उम्मीदवार अपनी चुनावी किस्मत आजमा रहे हैं। पांडिचेरी में सत्तारूढ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और कांग्रेस की अगुवाई वाले विपक्षी गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है।

इन चुनावों में मतदाता सूचियों पुनरीक्षण के अलावा पश्चिम बंगाल और असम में प्रमुख मुद्दा बंगलादेशी घुसपैठियों और भ्रष्टाचार रहा। तमिलनाडु और केरल में भी विकास बनाम भ्रष्टाचार का मुद्दा उछाला गया।

वायरल वीडियो होने के बाद हरकत में आई सरकार, ओडिशा में कंकाल लेकर बैंक पहुंचे आदिवासी व्यक्ति को मिला न्याय

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

ओड़िशा। ओड़िशा के क्योंझर जिले से दो दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें एक आदिवासी व्यक्ति, जीतू मुंडा, अपनी दिवंगत बहन का कंकाल कंधे पर लादे ओडिशा ग्रामीण बैंक की मलिपासी शाखा ले जाते हुए दिखाई दिए। यह वीडियो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर फैल गया और लोगों ने बैंक की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए। जीतू मुंडा (50 वर्ष) ओडिशा के क्योंझर जिले के रहने वाले हैं। उनकी बहन काकरा मुंडा का दो महीने पहले निधन हो गया था। उनके परिवार में अब और कोई नहीं बचा था, इसलिए जीतू मुंडा उनकी बैंक खाते की रकम निकालने के लिए ओडिशा ग्रामीण बैंक की मलिपासी शाखा गए थे। बैंक ने उनसे पैसे देने के लिए मृत्यु प्रमाण पत्र और कानूनी वारिस होने के कागजात मांगे। चूँकि जीतू मुंडा पढ़े-लिखे नहीं थे, इसलिए वे इस कानूनी प्रक्रिया को समझ नहीं पाए और खाली हाथ लौट आए। कागजी कार्रवाई न समझ पाने की वजह से वे बेबस हो गए। इसके बाद उन्होंने एक बेहद चौंकाने वाला कदम उठाया। उन्होंने अपनी बहन की कब्र खोदी, कंकाल निकाला, उसे कपड़े में लपेटा और तपती गर्मी में पैदल चलकर बैंक ले गए। वहाँ मौजूद लोग यह देखकर हैरान रह गए। जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ और मामला तूल पकड़ने लगा, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इसे तुरंत संज्ञान में लिया। मंगलवार शाम को मुख्यमंत्री ने घटना की गंभीरता को देखते हुए इसके उच्च-स्तरीय जांच के आदेश दे दिए। उन्होंने उत्तरी संभाग के राजस्व आयुक्त को मामले की जांच करने के लिए निर्देश दिए ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो। वायरल वीडियो के बाद बैंक ने भी अपना पक्ष रखा। बैंक ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इन आरोपों को गलत बताया कि उन्होंने पैसे देने के लिए मृत महिला की शारीरिक मौजूदगी की मांग की थी। बैंक के अनुसार, उन्होंने केवल मृत्यु प्रमाण पत्र और कानूनी कागजात मांगे थे। बैंक ने आगे बताया कि सरकारी अधिकारियों द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र और कानूनी वारिस प्रमाण पत्र जारी करते ही, उन्होंने तुरंत 19,402 रुपये की राशि तीन कानूनी वारिसों के नाम पर सेटल कर दी और पैसे उन्हें सौंप दिए।

अब मेरठ से प्रयागराज सिर्फ 6 घंटे में, पीएम मोदी ने 12 जिलों को जोड़ने वाले एक्सप्रेसवे का किया उद्घाटन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

हरदोई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का बुधवार को हरदोई के मल्लावां में उद्घाटन किया। आधिकारिक बयान के अनुसार लगभग 36,230 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा के समय को वर्तमान 10-12 घंटे से घटाकर लगभग छह घंटे कर देगा। इसमें कहा गया कि गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज सहित 12 प्रमुख जिलों को जोड़ता है।

इससे पहले, प्रधानमंत्री के हरदोई पहुंचने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किया। योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हरदोई से एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के साथ राज्य की विकास यात्रा को नयी गति मिलेगी।

उन्होंने छह लेन एक्सप्रेसवे को गांवों, किसानों, उद्यमियों और युवाओं को जोड़ने वाली ''जीवन रेखा'' बताते हुए कहा कि यह विकास को गति देने और दूरियां समेटने में अहम भूमिका निभाएगा। केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भी इस परियोजना को देश के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे में से एक और राज्य को आधुनिक बुनियादी ढांचे का तोहफा बताया। आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री का उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीईआईडीए) की प्रदर्शनी का अवलोकन करने, पौधरोपण करने और जनसभा को संबोधित करने के बाद दोपहर में वापस लौटने का कार्यक्रम है।

बयान में कहा गया कि इसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर विकसित किया गया है। यह छह लेन का एक्सप्रेसवे है, जिसे आठ लेन तक विस्तारित किया जा सकता है।

आधिकारिक बयान के अनुसार इसकी एक प्रमुख विशेषता शाहजहांपुर के पास बनी 3.2 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी है, जहां आपात स्थिति में वायुसेना के विमान उतर सकते हैं। इसमें कहा गया कि पूरे मार्ग पर उन्नत तकनीक आधारित इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस), सीसीटीवी निगरानी, इमरजेंसी कॉल बॉक्स और एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है।

बयान में कहा गया कि एक्सप्रेसवे के किनारे 'इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर' (आईएमएलसी) विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें बड़े गोदाम, शीतगृह और खाद्य प्रसंस्करण केंद्र जैसी सुविधाएं निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन में सहायक होंगी। यह एक्सप्रेसवे पूर्वांचल, आगरा-लखनऊ, बुंदेलखंड और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे सहित अन्य प्रमुख कॉरिडोर से भी जुड़ेगा, जिससे एक विशाल अंतरसंपर्क तंत्र तैयार होगा। अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करेगी और उत्तर प्रदेश को एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में अहम भूमिका निभाएगी।

ये सब बांग्लादेशी हैं, कोलकाता में घिरे सुवेंदु अधिकारी का बड़ा दावा, पुलिस को करना पड़ा लाठीचार्ज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान सात जिलों में फैले 142 निर्वाचन क्षेत्रों में जारी है और मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस को तैनात किया गया है।

मतदान के दौरान, कोलकाता के एक मतदान केंद्र पर उस समय तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई जब भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी वहां पहुंचे। टीएमसी समर्थकों के एक समूह द्वारा उन्हें घेर लिए जाने के बाद स्थिति कुछ समय के लिए और बिगड़ गई।

राज्य में विपक्ष के नेता और भाबानीपुर और नंदीग्राम से भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए एक मतदान केंद्र पर पहुंचे। उनके दौरे के दौरान, टीएमसी समर्थक जमा हो गए और 'जय बंगाल' के नारे लगाने लगे। भीड़ ने जल्द ही उन्हें घेर लिया, जिससे मतदान केंद्र पर तनावपूर्ण माहौल बन गया।

सीआरपीएफ और पुलिस ने हस्तक्षेप किया, भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया सीआरपीएफ कर्मियों ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर स्थिति को संभालने के लिए हस्तक्षेप किया।

भीड़ को तितर-बितर करने और इलाके को खाली कराने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया गया। एक अलग वीडियो बयान में सुवेंदु अधिकारी ने कहा ये सभी बांग्लादेशी मुसलमान हैं वे डरे हुए हैं। ममता का सफाया हो जाएगा,' सुरक्षा बलों के हस्तक्षेप से पहले घटनास्थल पर तनाव कुछ समय के लिए बढ़ गया था।

अभिषेक बनर्जी के गढ़ डायमंड हार्बर में 'सिंघम' का पहरा, टीएमसी के विरोध के बावजूद एक्शन जारी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पश्चिम बंगाल। विशेष पुलिस पर्यवेक्षक अजय पाल शर्मा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले का दौरा किया और विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के दौरान मतदान प्रक्रिया पर नजर रखी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शर्मा उत्तर प्रदेश कैडर के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी हैं और वर्तमान में प्रयागराज में एसीपी के पद पर तैनात हैं। पिछले दो दिनों में डायमंड हार्बर क्षेत्र में डराने-धमकाने और हिंसा रोकने के उनके सक्रिय कदमों को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। इस क्षेत्र को तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी का गढ़ माना जाता है। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के कारण 'सिंघम' के नाम से पहचाने जाने वाले शर्मा को मंगलवार को तृणमूल नेताओं और कार्यकताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि वह अपनी भूमिका से आगे बढ़कर काम कर रहे हैं और चुनाव से पहले पार्टी कार्यकताओं को ''डरा-धमका'' रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शर्मा को संदिग्ध उपद्रवियों को यह चेतावनी देते सुना गया कि यदि उन्होंने राज्य में मतदान बाधित करने की कोशिश की तो उनके खिलाफ ''सख्त कार्रवाई'' की जाएगी।

वह फाल्टा विधानसभा क्षेत्र के तृणमूल उम्मीदवार जहांगीर खान के घर भी पहुंचे थे और कहा था कि यदि मतदाताओं को डराने-धमकाने की खबर मिली तो प्रशासन ''सख्त और तत्काल कदम'' उठाएगा। तृणमूल शर्मा के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय भी गयी है लेकिन इसके बावजूद आईपीएस अधिकारी को क्षेत्र में तैनात सशस्त्र केंद्रीय बलों के साथ समन्वय करते और उन मतदान केंद्रों की ओर जाते देखा गया, जहां लोग सुबह से ही मतदान के लिए कतार में लगे थे। अब तक इस क्षेत्र से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है, जिसे चुनाव आयोग ने अत्यधिक संवेदनशील घोषित किया है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह भी राजनीतिक रूप से संवेदनशील इस क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेने डायमंड हार्बर पहुंचे। सीआरपीएफ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि महानिदेशक ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बंगाल चुनाव के दूसरे चरण के दौरान डायमंड हार्बर में एडहॉक 343 की बी/4 कंपनी का दौरा किया। पोस्ट में कहा गया है, ''महानिदेशक ने ड्यूटी पर तैनात जवानों से सीधे बातचीत की, जमीनी स्थिति की जानकारी ली और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।

गुजरात के गोधरा में एपेक्सा सोनी को मिली जीत, मुस्लिम बहुल क्षेत्र में हिंदू उम्मीदवार की जीत से सब आश्चर्यचकित

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गुजरात। गुजरात के गोधरा से एक ऐसी खबर सामने आई है, जो सामाजिक सौहार्द और जनसमर्थन की एक अनोखी मिसाल बनकर उभरी है। वर्ष 2002 की हिंसा के कारण लंबे समय तक संवेदनशील माने जाने वाले इस इलाके में एक निर्दलीय उम्मीदवार अपेक्सा सोनी ने वार्ड 7 से अप्रत्याशित जीत हासिल कर सभी को चौंका दिया है। यह जीत इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि इस वार्ड में हिंदू मतदाताओं की संख्या बेहद कम है, फिर भी उन्हें व्यापक समर्थन मिला।

वार्ड 7 में सतपुल, हयातनी वाडी, वचला ओधा, चूचला प्लाट, गेनी प्लाट समेत कई इलाके शामिल हैं। यह क्षेत्र गोधरा रेलवे स्टेशन और सिग्नल फालिया से एक किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित है। हम आपको बता दें कि यही वह स्थान हैं, जिनका संबंध साबरमती एक्सप्रेस आगजनी से जोड़ा जाता है, जिसने 2002 की हिंसा को जन्म दिया था। ऐसे संवेदनशील इलाके में अपेक्सा सोनी की जीत सामाजिक एकता की एक सकारात्मक कहानी पेश करती है।

वैसे अपेक्सा सोनी का यह सफर आसान नहीं रहा। वर्ष 2021 के चुनाव में उन्हें करीब सौ मतों से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद उन्होंने दोबारा चुनाव लड़ने को लेकर संकोच जताया था। लेकिन वार्ड के निवासियों, जिनमें अधिकतर मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हैं, उन्होंने उन्हें फिर से चुनाव मैदान में उतरने के लिए प्रेरित किया। लोगों ने उन्हें पूरा समर्थन देने का भरोसा दिलाया, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा।

अपेक्सा सोनी इसी वार्ड की निवासी हैं और उनके पति नैनेश सोनी यहां आभूषण की दुकान चलाते हैं। उन्होंने अपने क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहकर लोगों के बीच मजबूत संपर्क बनाया। चुनाव हारने के बाद भी उन्होंने अपने काम को नहीं छोड़ा। वह सफाई, पानी और अन्य छोटे नागरिक मुद्दों को सुलझाने के लिए खुद आगे आती रहीं। कई बार उन्होंने अपनी जेब से खर्च करके समस्याओं का समाधान कराया। यही निरंतर सेवा उनके लिए मजबूत जनसमर्थन का आधार बनी। पिछले वर्ष वार्ड के परिसीमन के बाद उन्होंने चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय ले लिया था। लेकिन स्थानीय लोगों और समुदाय के नेताओं ने उन्हें फिर से प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। अंततः उन्होंने चुनाव लड़ा और मंगलवार को आए परिणामों में जीत हासिल की। यह जीत केवल एक उम्मीदवार की सफलता नहीं, बल्कि विश्वास और सामाजिक समरसता की जीत के रूप में देखी जा रही है।

अपनी जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए अपेक्सा सोनी ने कहा कि इस परिणाम में लोगों की एकता झलकती है। उन्होंने बताया कि मतदाताओं ने उन्हें बहन या बेटी की तरह माना और पूरा समर्थन दिया। यह बयान उस भरोसे को दशार्ता है जो लोगों ने जाति और धर्म से ऊपर उठकर उनके प्रति जताया। स्थानीय पार्षद साजिद काला ने भी उनकी जीत का श्रेय उनके निरंतर कार्य को दिया। उन्होंने कहा कि वार्ड में मुश्किल से दो दर्जन हिंदू मतदाता हैं, फिर भी अपेक्सा को व्यापक समर्थन मिला। यह दिखाता है कि लोगों ने केवल काम और समर्पण को प्राथमिकता दी। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष रफीक तिजोरीवाला ने भी इस जीत को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह उदाहरण है कि लोग विभाजन से ऊपर उठकर ऐसे उम्मीदवार का समर्थन करते हैं जो वास्तव में जनसेवा के लिए समर्पित हो। उन्होंने इसे लोकतंत्र की सच्ची भावना का प्रतीक बताया। देखा जाये तो गोधरा जैसे ऐतिहासिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में यह परिणाम एक नई उम्मीद लेकर आया है। यह दशार्ता है कि यदि कोई व्यक्ति ईमानदारी और लगन से काम करता है, तो समाज के सभी वर्ग उसका साथ देते हैं।

संपादक की कलम से

कुपोषित बचपन, कमजोर भविष्य और समाधान की दिशा'

ललित शर्मा
संपादक

देश का भविष्य उसके बच्चे होते हैं, यह केवल भावनात्मक कथन नहीं बल्कि एक कठोर सामाजिक सत्य है। यदि यही भविष्य कुपोषण की गिरफ्त में हो, तो सशक्त राष्ट्र का सपना अधूरा ही रह जाता है। भारत में बाल कुपोषण आज एक गंभीर और बहुआयामी चुनौती के रूप में उभर रहा है। विभिन्न सरकारी और स्वतंत्र आंकड़ों के अनुसार देश के 34 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 34झ35 लाख बच्चे कुपोषण से प्रभावित हैं, जिनमें करीब 50 प्रतिशत बच्चे गंभीर कुपोषण की श्रेणी में आते हैं। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं बल्कि सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर भी बड़ा प्रश्नचिह्न है। देश में हर वर्ष बाल दिवस जैसे आयोजनों पर करोड़ों रुपये खर्च होते हैं, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय जैसी संस्थाएं सक्रिय हैं, फिर भी जमीनी स्तर पर अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। यह विरोधाभास सोचने पर मजबूर करता है कि संसाधनों की उपलब्धता के बावजूद उनका समुचित उपयोग क्यों नहीं हो पा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय मलेरिया, टीबी और अन्य संक्रामक रोगों पर अरबों रुपये खर्च करता है, जो आवश्यक भी है, परंतु बच्चों के पोषण जैसे मूलभूत मुद्दे पर उतनी ही गंभीरता और निरंतरता का अभाव स्पष्ट दिखता है। यदि देश के बच्चे ही शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर होंगे, तो वे भविष्य में राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका कैसे निभा पाएंगे। आंकड़े बताते हैं कि लगभग 18 लाख बच्चे गंभीर कुपोषण से पीड़ित हैं, जबकि शेष 16 लाख बच्चे मध्यम कुपोषण की स्थिति में हैं। राज्यों के स्तर पर देखें तो महाराष्ट्र में लगभग 6 लाख कुपोषित बच्चे दर्ज किए गए हैं, जिनमें 4.5 लाख से अधिक गंभीर रूप से प्रभावित हैं; बिहार में करीब 5 लाख, गुजरात में लगभग 3.5 लाख, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, असम और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों में भी लाखों बच्चे कुपोषण की चपेट में हैं। यहां तक कि देश की राजधानी दिल्ली में भी करीब 2 लाख बच्चों का कुपोषित होना यह दशार्ता है कि समस्या केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि प्रबंधन और क्रियान्वयन की कमजोरी भी है। वैश्विक स्तर पर स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है, जब हम वैश्विक भूख सूचकांक की ओर देखते हैं, जहां 2021 में भारत 116 देशों में 101वें स्थान पर पहुंच गया, जबकि 2020 में यह 94वें स्थान पर था। इसका सीधा अर्थ है कि स्थिति में सुधार के बजाय गिरावट आई है, और भारत अपने पड़ोसी देशों जैसे बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और भूटान से भी पीछे खड़ा है इसके पीछे भारत की 141 करोड़ की जनसंख्या भी हो सकती है। कुपोषण का प्रभाव केवल तत्काल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह बच्चों के शारीरिक विकास, मानसिक क्षमता और भविष्य की उत्पादकता पर भी गहरा असर डालता है। आंकड़ों के अनुसार लगभग 34 प्रतिशत कुपोषित बच्चों का कद औसत से कम रह जाता है जबकि करीब 21 प्रतिशत बच्चों का वजन अत्यंत कम हो जाता है। ऐसे बच्चे बड़े होकर भी कई बीमारियों के प्रति संवेदनशील रहते हैं और उनकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है, जिससे देश की समग्र उत्पादकता और विकास दर पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कोविड–19 महामारी ने इस समस्या को और गहरा कर दिया है, क्योंकि लॉकडाउन और आर्थिक संकट के कारण लाखों परिवारों की आय प्रभावित हुई, जिससे बच्चों के पोषण स्तर में गिरावट आई।

बुधुवा मत फँसना जाल में

उदय किशोर साह

कविता

खुशकिस्मत है वो इन्सान ऊँचा है उनका भाल
जिसने महाजन की ना देखी है आँखें लाल लाल
अबतक ना गली हो जिनपर महाजन की दाल
बच कर रहना रे भाई फैली है सुदखोर की जाल

कर्जखोरी है आज शोषण। का दुसरा एक नाम
व्याज की कमाई से अकड़ है मूलधन का ईनाम
कर्जदार बन जाता है सूदखोर का सदा गुलाम
लुट जाता है पूरखों की अर्जित संपदा हो बदनाम

गुन्डे मवाली संग ले आता करता है तकादा वो इन्सान
कड़क आवाज में मांगता है मूल समेत सूद सुबह शाम
बिक जाता जेवर जेवरात बिक जाता है शांति के धाम
फँस जाता है मजबूरी में अक्सर सीधे सादे जन नादान

कर्जखोरी है वो मकड़ जाल फँस जाता है कोई इन्सान
कर्ज की दलदल से निकल पाना नहीं है जग में आसान
कर्ज बुरी बलाय जगत में बिक जाता है खेत व खलिहान
कर्ज के मकड़ जाल में फँसकर लुटा देता है खुद की आराम

महाजन की चाल में ना फँसना भाई खो दोगे खुद की कल्याण
परिजन से भी होगी हाथा पाई छिन लेगा तेरा भी मान सम्मान
अपनी पैर उतना ही फैलाना जितने की होगी खुद की औकात
चार दिन की होती है वाह वाही रोना पड़ता है खुद दिन रात

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

अमीर स्कूल, गरीब शिक्षक: शिक्षा का विरोधाभास

डॉ विजय गर्ग
लेखक

आधुनिक शिक्षा परिदृश्य में, एक जिज्ञासु और परेशान करने वाला विरोधाभास यह है कि स्कूल अमीर होते जा रहे हैं, लेकिन शिक्षक अक्सर आर्थिक और व्यावसायिक दोनों दृष्टि से गरीब हो रहे हैं। चमकदार परिसर, स्मार्ट कक्षाएं, वातानुकूलित बसें और अंतर्राष्ट्रीय संबद्धता प्रगति और उत्कृष्टता की छवि प्रस्तुत करती हैं। फिर भी, इस परिष्कृत ढांचे के पीछे शिक्षकों का एक कार्यबल खड़ा है, जो अक्सर खुद को कम मूल्यांकित, कम वेतन और अधिक बोझिल महसूस करते हैं। यह विरोधाभास एक मौलिक प्रश्न उठाता हैः क्या कोई शिक्षा प्रणाली वास्तव में सफल हो सकती है, जब उसके सबसे महत्वपूर्ण संसाधन - शिक्षक - की उपेक्षा की जाए? पहली नजर में, स्कूलों का परिवर्तन प्रभावशाली प्रतीत होता है। विशेष रूप से, निजी संस्थान बुनियादी ढांचे, ब्रांडिंग और प्रौद्योगिकी में निवेश करके छात्रों को आकर्षित करने के लिए आक्रामक प्रतिस्पर्धा करते हैं। डिजिटल बोर्ड चॉकबोर्ड की जगह लेते हैं, रोबोटिक्स प्रयोगशालाएं पारंपरिक विज्ञान कक्षों का पूरक होती हैं, तथा वैश्विक पाठ्यक्रम छात्रों को एक अंतसंबंधित दुनिया के लिए तैयार करने का वादा करते हैं। माता-पिता, जो अपने बच्चों के लिए सर्वोत्तम चीजें उपलब्ध कराने के इच्छुक होते हैं, अक्सर इन लाभों के लिए पर्याप्त शुल्क देने को तैयार रहते हैं। शिक्षा, कई मायनों में, एक प्रीमियम सेवा बन गई है। हालाँकि, यह दृश्यमान समृद्धि हमेशा शिक्षकों तक नहीं पहुंचती। कई मामलों में, ऐसे संस्थानों के शिक्षकों को वेतन मिलता है जो शुल्क की तुलना में असमान रूप से कम होता है। संविदात्मक रोजगार, नौकरी की सुरक्षा का अभाव और न्यूनतम लाभ सामान्य वास्तविकताएं हैं। यद्यपि स्कूल विपणन और बुनियादी ढांचे के लिए महत्वपूर्ण बजट आवंटित कर सकते हैं, लेकिन शिक्षक मुआवजा को अक्सर न्यूनतम लागत के रूप में माना जाता है, न कि पोषित निवेश के रूप में। इस असंतुलन के परिणाम दूरगामी हैं। शिक्षण केवल एक पेशा नहीं है; यह एक ऐसा व्यवसाय है जो बौद्धिक कठोरता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और निरंतर सीखने की मांग करता है। जब शिक्षक आर्थिक रूप से असुरक्षित महसूस करते हैं या पेशेवर रूप से मान्यता प्राप्त नहीं होते, तो उनकी प्रेरणा और मनोबल अनिवार्यतः कम हो जाता है। समय के साथ, इससे शिक्षण की गुणवत्ता, कक्षा में सहभागिता और अंततः छात्रों के परिणामों पर प्रभाव पड़ता है। किसी स्कूल में विश्वस्तरीय सुविधाएं हो सकती हैं, लेकिन प्रेरित शिक्षकों के बिना इन संसाधनों का कम उपयोग किया जाता है। इस विरोधाभास का एक और आयाम शिक्षकों पर बढ़ते प्रशासनिक बोझ है। शिक्षण के अलावा, शिक्षकों से व्यापक दस्तावेजीकरण को संभालने, बार-बार बैठकों में भाग लेने, पाठ्येतर गतिविधियों का प्रबंधन करने और छात्र परिणामों से जुड़े प्रदर्शन लक्ष्यों को पूरा करने की अपेक्षा की जाती है।

कई मामलों में, शिक्षक की भूमिका डेटा मैनेजर, इवेंट आयोजक और परामर्शदाता तक विस्तारित हो जाती है। ये सभी कार्य बिना किसी मुआवजे या समर्थन के होते हैं। ध्यान का यह क्षरण शिक्षण के सार को नष्ट कर सकता है।

शिक्षकों से की जाने वाली अपेक्षाओं की तुलना में यह अंतर और भी अधिक स्पष्ट है। समाज अक्सर उन्हें रोल मॉडल, मार्गदर्शक और राष्ट्र निमार्ता के रूप में देखता है। उनसे चरित्र को आकार देने, मूल्यों को स्थापित करने तथा छात्रों को जटिल भविष्य के लिए तैयार करने की अपेक्षा की जाती है। फिर भी, उन्हें दिया जाने वाला सम्मान हमेशा ठोस पुरस्कारों में नहीं बदलता। विडंबना यह है कि जिन लोगों को भविष्य बनाने का काम सौंपा गया है, वे अक्सर अपना भविष्य सुरक्षित करने के लिए संघर्ष करते हैं। यह विरोधाभास शिक्षा के भीतर व्यापक प्रणालीगत मुद्दों को भी दशार्ता है। कुछ क्षेत्रों में व्यावसायिकरण ने प्राथमिकताओं को सीखने से लेकर लाभप्रदता की ओर स्थानांतरित कर दिया है। निर्णय लेने पर शिक्षाशास्त्रीय सिद्धांतों के बजाय बाजार की गतिशीलता का अधिक प्रभाव पड़ता है।

ऐसे वातावरण में, बुनियादी ढांचे जैसे दृश्यमान, तत्काल लाभ देने वाले निवेशों को उन निवेशों की तुलना में प्राथमिकता दी जाती है जो शिक्षक विकास और कल्याण जैसे दीर्घकालिक लाभ प्रदान करते हैं। इस असंतुलन को दूर करने के लिए प्राथमिकताओं पर मौलिक पुनर्विचार की आवश्यकता है। स्कूलों को यह स्वीकार करना होगा कि शिक्षक केवल कर्मचारी नहीं हैं, बल्कि शैक्षिक उत्कृष्टता का आधारशिला भी हैं। प्रतिस्पर्धी वेतन, व्यावसायिक विकास के अवसर और सहायक कार्य वातावरण कोई विलासिता नहीं है। वे आवश्यकताएं हैं।

नीतियों को शुल्क संरचनाओं में पारदर्शिता और संसाधनों के समान आवंटन सुनिश्चित करना चाहिए, तथा उचित हिस्सा शिक्षक कल्याण के लिए समर्पित किया जाना चाहिए। सरकारों और नियामक निकायों की भी भूमिका है। न्यूनतम वेतन मानक स्थापित करना, श्रम संरक्षण लागू करना और जवाबदेही को बढ़ावा देना इस अंतर को पाटने में मदद कर सकता है।

साथ ही, समाज को शिक्षण के प्रति अपनी धारणा को एक वैकल्पिक कैरियर से हटाकर एक सम्मानित और महत्वाकांक्षी पेशे की ओर ले जाना चाहिए। शिक्षकों का जश्न मनाना और उनका समर्थन करना, क्षेत्र के भीतर गरिमा और प्रेरणा को बहाल करने में योगदान दे सकता है।

प्रौद्योगिकी, जिसे अक्सर पारंपरिक शिक्षण के स्थान पर देखा जाता है, का उपयोग शिक्षकों को सशक्त बनाने के लिए एक उपकरण के रूप में किया जाना चाहिए। शिक्षकों को डिजिटल संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित करने से उनकी क्षमताओं और आत्मविश्वास में वृद्धि हो सकती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि प्रौद्योगिकी उनकी भूमिका को कमजोर करने के बजाय उनका पूरक होगी। अंततः, किसी भी शिक्षा प्रणाली की सफलता उसकी इमारतों की भव्यता पर नहीं बल्कि उसके शिक्षकों की ताकत पर निर्भर करती है। एक स्कूल की असली संपदा उसके बुनियादी ढांचे में नहीं बल्कि उसके शिक्षकों की गुणवत्ता, प्रतिबद्धता और कल्याण में निहित होती है। अमीर स्कूलों और गरीब शिक्षकों के बीच की खाई को पाटना सिर्फ एक आर्थिक आवश्यकता नहीं है। यह एक नैतिक अनिवार्यता है। यदि शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन के लिए एक शक्ति के रूप में अपना वादा पूरा करना है, तो इसकी शुरूआत उन लोगों का मूल्यांकन करने से होनी चाहिए जो इसे संभव बनाते हैं। तभी इस विरोधाभास का समाधान हो सकेगा, और तभी स्कूल वास्तव में समृद्धि के प्रतीक होने के बजाय सार्थक शिक्षा के केंद्र बन सकेंगे।

वैश्विक शिक्षा परिदृश्य वर्तमान में एक चौंकाने वाले विरोधाभास से परिभाषित है। एक ओर, हम ओलंपिक आकार के पूल, उच्च स्तरीय प्रयोगशालाओं और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से सुसज्जित 'कुलीन' निजी संस्थानों का उदय देखते हैं। दूसरी ओर, इन संस्थानों का प्राथमिक इंजन शिक्षकों को अक्सर स्थिर वेतन, नौकरी की असुरक्षा और थकान का सामना करना पड़ता है। यह 'शिक्षा विरोधाभास' एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता हैः यदि शिक्षा भविष्य की समृद्धि का आधारशिला है, तो इसे प्रदान करने के लिए जिम्मेदार पेशे को क्यों कम महत्व दिया जा रहा है? बुनियादी ढांचे का मुखौटा कई क्षेत्रों में स्कूल उच्च दांव वाले व्यवसाय बन गए हैं। पूंजी को अक्सर दृश्यमान परिसंपत्तियों में लगाया जाता है

स्मार्ट परिसर: उच्च वेतन वाले नामांकन को आकर्षित करने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे और सौंदर्यशास्त्र में भारी निवेश।

मार्केटिंग और ब्रांडिंग: एक 'प्रीमियम' छवि बनाए रखने के लिए समर्पित बड़ा बजट।

प्रशासनिक ब्लोट: गैर-शिक्षण प्रबंधन की एक बढ़ती परत जो अकादमिक कर्मचारियों की तुलना में अधिक वेतन देती है। यद्यपि ये विशेषताएं सीखने के लिए अनुकूल वातावरण बनाती हैं, लेकिन अक्सर इनकी कीमत मानव पूंजी होती है। जब किसी स्कूल के वित्तीय स्वास्थ्य को उसके संकाय की भलाई के बजाय उसके शारीरिक विस्तार से मापा जाता है, तो शिक्षा की गुणवत्ता अंततः स्थिर हो जाती है।

शिक्षक का संघर्षः एक वास्तविकता की जांच

प्रतिष्ठित स्कूलों द्वारा ली जाने वाली उच्च ट्यूशन फीस के बावजूद, ₹धनर शायद ही कभी कक्षा स्तर तक पहुंचता है। निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों के शिक्षक अक्सर निम्नलिखित समस्याओं से जूझते रहते हैं

वेज-कौशल अंतर: कई शिक्षकों के पास उन्नत डिग्री और विशेष प्रमाणन होते हैं, फिर भी उनका वेतन आईटी या वित्त जैसे कॉर्पोरेट क्षेत्रों में उनके साथियों की तुलना में उनके काम की जटिलता को प्रतिबिंबित नहीं करता है।

भावनात्मक श्रम और बर्नआउट: आधुनिक शिक्षण में व्याख्यान देने से कहीं अधिक शामिल है। शिक्षक मार्गदर्शक, परामर्शदाता और प्रशासनिक क्लर्क के रूप में कार्य करते हैं, तथा अक्सर ओवरटाइम वेतन के बिना अनुबंधित घंटों से अधिक काम करते हैं।

नौकरी असुरक्षा: कई निजी क्षेत्रों में, अल्पकालिक अनुबंध और सेवानिवृत्ति लाभ की कमी शिक्षकों को निरंतर वित्तीय चिंता की स्थिति में रखती है। छात्रों पर प्रभाव यह विरोधाभास सिर्फ श्रम का मुद्दा नहीं है; यह एक शिक्षा संकट को जन्म देता है। जब शिक्षक आर्थिक रूप से तनावग्रस्त होते हैं

उच्च टर्नओवर: सर्वश्रेष्ठ शिक्षक अक्सर कॉर्पोरेट प्रशिक्षण या प्रशासन में अधिक आकर्षक भूमिकाओं के लिए पेशे को छोड़ देते हैं, जिससे छात्रों के लिए निरंतरता की कमी हो जाती है।

कम जुड़ावः वित्तीय जीवन में व्यस्त शिक्षक के पास रचनात्मक पाठ योजना और व्यक्तिगत छात्र ध्यान के लिए कम मानसिक बैंडविड्थ होती है।

कौशल बनाम. डिग्री दुविधा: जैसे-जैसे स्कूल प्रतिष्ठा पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं और शिक्षक-छात्र के बीच बंधन पर कम, शिक्षा वास्तविक कौशल विकास की बजाय ₹प्रमाण-संग्रह₹ अभ्यास की ओर बढ़ जाती है। शिक्षा के मूल्य को पुनः परिभाषित करना इस अंतर को पाटने के लिए, हमें शैक्षिक संस्थानों का मूल्यांकन करने में मौलिक बदलाव की आवश्यकता है। एक ₹समृद्ध₹ स्कूल को उसके संगमरमर के हॉलवे से नहीं, बल्कि उसके संकाय की स्थिरता और विशेषज्ञता से परिभाषित किया जाना चाहिए।

लोगों में निवेशः स्कूलों को सौंदर्य उन्नयन की अपेक्षा प्रतिस्पर्धी वेतन और व्यावसायिक विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए।

नीति हस्तक्षेपः सरकारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि शिक्षकों के लिए न्यूनतम वेतन मानक उनकी योग्यता के अनुरूप हों, विशेष रूप से निजी क्षेत्र में।

भारत में हर साल 17,000 बच्चों की कैंसर से मौत होती है

स्नेहा सिंह
लेखिका

बच्चे, किशोर और युवा किसी भी देश का भविष्य माने जाते हैं। उन्हें दी जाने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, उच्च शिक्षा और रोजगार जैसे अवसर देश के विकास में निवेश की तरह होते हैं। लेकिन आज का बचपन बिखरता हुआ नजर आता है। वैश्विक परिस्थितियां, खराब खानपान, स्वास्थ्य सेवाओं में असमानता, अधूरी चिकित्सा, दवाओं की कमी और सरकारी उदासीनता के कारण बच्चे कैंसर जैसे घातक रोग की चपेट में आ रहे हैं।

कुछ समय पहले द लैंसेट में प्रकाशित ग्लोबल बर्डन आफ डिजीज रिपोर्ट में बताया गया था कि कम और मध्यम आय वाले देशों में बच्चों में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसके कारण बच्चों के जीवन पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार बदलती जीवनशैली, पर्यावरणीय बदलाव, प्रदूषण और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की कमियों के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। रिपोर्ट बताती है कि असमानता और अव्यवस्था के कारण गरीब, कम आय वाले और मध्यम आय वाले देशों में बच्चों में कैंसर से होने वाली मौतें 94 प्रतिशत तक और नए मामलों की संख्या 85 प्रतिशत तक है।

इन देशों में संसाधनों, उपचार, सुविधाओं, बेहतर जीवनशैली और आर्थिक साधनों की कमी के कारण मासूम बच्चे मौत का शिकार हो रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। भारत में हर साल 17,000 बच्चों की कैंसर से मौत होती है। कैंसर के खिलाफ यह लड़ाई केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिति और स्वास्थ्य व्यवस्था के खिलाफ भी है। भारत में भी संसाधनों, सुविधाओं और आर्थिक विषमता के कारण बच्चे इस घातक बीमारी का शिकार बन रहे हैं।

दूसरे देशों की स्थिति और भी खराब है। वहां न उचित इलाज है, न सुविधाएं और न ही लोगों के पास इतना पैसा है कि वे अपने बच्चों का इलाज करा सकें। इसी कारण बच्चों की मौतें अधिक होती हैं। हल्ड के अनुसार, उच्च आय वाले देशों और आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्थाओं वाले देशों में लगभग 80 प्रतिशत बच्चों को बचा लिया जाता है, जबकि कम और मध्यम आय वाले देशों में केवल 20 प्रतिशत बच्चे ही बच पाते हैं। यह आंकड़े बताते हैं कि बच्चों में बढ़ते कैंसर के मामले केवल मेडिकल इमरजेंसी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की कमजोरियों, आर्थिक असमानता और सामाजिक विषमताओं का भी प्रतिबिंब हैं। भारत के लिए भी यह स्थिति बेहद गंभीर है। एक ओर चिकित्सा विज्ञान लगातार प्रगति कर रहा है, वहीं दूसरी ओर आधुनिक इलाज, दवाएं, सुविधाएं और अस्पताल अब भी लाखों लोगों की पहुंच से बाहर हैं या इतने महंगे हैं कि आम लोग उनका खर्च नहीं उठा सकते। देश के बड़े शहरों में आधुनिक अस्पताल और कैंसर उपचार केंद्र हैं, लेकिन ग्रामीण और दूरदराज इलाकों तक ये सुविधाएं नहीं पहुंची हैं। जहां सुविधाएं हैं भी, वहां उनकी संख्या बहुत सीमित है। इसका परिणाम यह है कि ऐसे क्षेत्रों के बच्चों तक समय पर इलाज नहीं पहुंच पाता। ग्रामीण क्षेत्रों में निदान की स्थिति भी कमजोर है। कई बार जब बच्चे में कैंसर का पता चलता है, तब तक बीमारी अंतिम चरण में पहुंच चुकी होती है। इसी कारण विकसित देशों की तुलना में भारत में कैंसर से पीड़ित बच्चों के जीवित रहने की दर काफी कम है। एक और चिंताजनक तथ्य यह है कि 2023 में बच्चों की मौत के कारणों में कैंसर आठवां सबसे बड़ा कारण था। बीमारी के संदर्भ में देखें तो यह सबसे बड़ा कारण था। डिसेबिलिटी-एडजस्टेड लाइफ ईयर्स (DALY) के संदर्भ में यह दसवां सबसे बड़ा कारण था। यानी हर साल बच्चों के जीवन के स्वस्थ और उपयोगी वर्ष छिन जाते हैं। इसके दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक प्रभाव गंभीर हैं। भारत में कैंसर का इलाज बेहद महंगा है और अधिकांश परिवारों के पास स्वास्थ्य बीमा या पर्याप्त आर्थिक संसाधन नहीं होते। इसके कारण कई मामलों में इलाज अधूरा रह जाता है, छोड़ दिया जाता है या शुरू ही नहीं हो पाता। परिणामस्वरूप बच्चा मौत के मुंह में चला जाता है। कई बार शुरूआती लक्षणों को सामान्य बीमारी समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिससे सही निदान में देर होती है और इलाज की संभावना कम हो जाती है। भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था का ढांचा भी कमजोर और बिखरा हुआ है। आज भी कई गांवों और दूरदराज क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की कमी है। जहां केंद्र हैं भी, वहां विशेषज्ञ डाक्टरों, जांच सुविधाओं और रेफरल व्यवस्था का अभाव है। इसी कारण बच्चों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल स्वास्थ्य सेवाएं बढ़ा देने से इस घातक रोग से पूरी तरह नहीं निपटा जा सकता। इसके लिए कई स्तरों पर काम करना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसी दिशा में ग्लोबल चाइल्डहुड कैंसर इनिशिएटिव शुरू किया है। इसका लक्ष्य 2030 तक कैंसर पीड़ित बच्चों की जीवित रहने की संभावना 60 प्रतिशत तक पहुंचाना है। इसके लिए समय पर निदान, सस्ती दवाएं, दवाओं की उपलब्धता, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की संख्या में वृद्धि, विशेषज्ञ डाक्टरों की उपलब्धता और स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत बनाने पर जोर दिया जा रहा है। सबसे पहले जनजागरूकता की जरूरत है। लोगों, शिक्षकों और माता-पिता को बच्चों में कैंसर के शुरूआती लक्षणों की जानकारी होनी चाहिए। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को अधिक सक्षम, सुविधासंपन्न और जनोपयोगी बनाना होगा। इसके अलावा सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को कम करना भी जरूरी है, ताकि लोगों को समय पर उचित इलाज और सुविधाएं मिल सकें। विशेषज्ञों के अनुसार, जिस तरह युवाओं और वयस्कों में गलत खानपान और खराब जीवनशैली के कारण कैंसर होता है, वैसा बच्चों में अपेक्षाकृत कम देखा जाता है। बच्चों में कैंसर के बढ़ते मामलों के पीछे आनुवंशिक दोष और वंशानुगत कारण अधिक महत्वपूर्ण हैं। बच्चों में सबसे ज्यादा ल्यूकेमिया के मामले पाए जाते हैं। ब्लड कैंसर के कारण सबसे अधिक बच्चों की मौत होती है। WHO के अनुसार, 2023 में लगभग 46,000 बच्चों की मौत ल्यूकेमिया से हुई, जबकि मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के कैंसर से 23,200 बच्चों ने जान गंवाई।

भाजपा पंजाब की जिम्मेदारी राघव चड्ढा को सौंप सकती है

अनिकेत सिंह
लेखक

आम आदमी पार्टी की मुश्किलें, खासकर अरविंद केजरीवाल की परेशानियां, कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। उनके वफादार माने जाने वाले राघव चड्ढा समेत कई साथियों के पार्टी छोड़ने से संगठन को बड़ा झटका लगा है। कहा जा रहा है कि केजरीवाल ने अपने सहयोगियों को रोकने के बजाय उनकी आलोचना शुरू कर दी है। जो व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री बनने के सपने देखता था, उसकी राजनीतिक साख को गहरा आघात पहुंचा है। केजरीवाल अपने साथियों को आगे बढ़ने के अवसर नहीं देते थे। उन्होंने यह छवि बना दी थी कि केजरीवाल ही आम आदमी पार्टी हैं और आम आदमी पार्टी ही केजरीवाल है। दिल्ली में मिली हार के बाद केजरीवाल पर संकट बढ़ गया है। हर तरफ से उन्हें झटके लग रहे हैं। उनकी कार्यशैली पर तानाशाही जैसे आरोप लगते रहे हैं। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा के सात सांसदों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। राघव चड्ढा और अन्य नेताओं ने कहा कि पार्टी अपने मूल सिद्धांतों से भटक गई है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इन इस्तीफों को अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व के लिए बड़ा झटका बताया है। आम आदमी पार्टी ने इसे विश्वासघात करार देते हुए भाजपा पर पार्टी में फूट डालने का आरोप लगाया है। राघव चड्ढा ने केजरीवाल की छवि को गहरा नुकसान पहुंचाया है। उन पर करोड़ों रुपए लेकर दल बदलने के आरोप लगाए गए हैं। केजरीवाल के लिए यह पूरी तरह अप्रत्याशित नहीं था, क्योंकि चड्ढा पहले से नाराज बताए जा रहे थे। सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें चल रही हैं। इनमें एक दावा यह भी है कि पैसों के विवाद में केजरीवाल के लोगों ने उन्हें अपमानित किया था, जिससे उनकी आंख में चोट भी आई थी। चड्ढा ने जोर देकर कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी अपने सिद्धांतों से भटक चुकी है। पार्टी के कई कार्यकर्ता इस्तीफा देने वाले नेताओं के संपर्क में थे। सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी की स्थापना इंकलाब के नारे के साथ हुई थी, लेकिन अब उसका अंत अविश्वास और टूटन में हो रहा है। उन्होंने कहा, 'अब आपकी पार्टी में सिर्फ भ्रष्ट लोग बचे हैं, आम आदमी नहीं।' दूसरी ओर आप नेताओं ने सात सांसदों के इस्तीफे को पंजाब के साथ विश्वासघात बताया है और भाजपा पर केंद्रीय एजेंसियों के डर का इस्तेमाल कर यह विभाजन कराने का आरोप लगाया है। केजरीवाल के सहयोगियों में नाराजगी इस बात को लेकर भी है कि यदि उनके साथी कांग्रेस में जाते तो बात अलग थी, लेकिन जिस भाजपा को केजरीवाल भ्रष्ट कहते थे, उसी में वे शामिल हो गए। जब भाजपा ने राघव चड्ढा को सुरक्षा दी थी, उसी दिन केजरीवाल को समझ जाना चाहिए था कि भाजपा कोई बड़ी रणनीति बना रही है। राजनीतिक दल चलाना आसान नहीं होता।

रिवर सिटीज एलायंस की टीम द्वारा बाढ़ प्रबन्धन हेतु नगर का किया गया सर्वेक्षण

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में नगर क्षेत्र में जल निकासी एवं बाढ़ प्रबन्धन के लिए नगर का सर्वेक्षण एवं अध्ययन करने हेतु, राष्ट्रीय शहरी कार्य संस्थान से आई, रिवर सिटीज एलायंस (आर.सी.ए.) की टीम के साथ बैठक गांधी सभागार में आयोजित की गई। बैठक में अधिशासी अभियन्ता शारदा सागर खण्ड, सिंचाईध्बाढ़ खण्ड/सहायक वास्तुविद नियोजक, नगर एवं ग्राम नियोजक विभाग बरेली, नगर पालिका परिषद पीलीभीत के साथ विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में टीम को नगर पालिका क्षेत्र के नालों की संख्या एवं क्षमता के बारे में अवगत कराया गया। इस सम्बन्ध में नालों से सम्बन्धित मानचित्र एवं ड्रोन वीडियो के माध्यम से बाढ़ के दौरान शहर की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया गया। टीम द्वारा एसटीपी एवं सीवर लाइन सहित अन्य बिन्दुओं पर जानकारी प्राप्त की गई। नालों एवं नदियों की वर्तमान स्थिति को मानचित्र के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जिससे जलप्रवाह की दिशा अवरोधित स्थानों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों की स्पष्ट पहचान हो सके। लवलेश शर्मा ने आश्वासन दिया कि आर सी ए सचिवालय इस अवलोकन दौरे के बाद एक 'परसेप्शन' रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा, जिसके आधार पर पीलीभीत के ड्रेनेज प्रबंधन के लिए भविष्य में किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स और योजनाओं की जानकारी मिलेगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), नगर मजिस्ट्रेट, उप जिलाधिकारी सदर, सर्वेक्षण टीम में लवलेश शर्मा नेशनल प्रोग्राम लीड आर.सी.ए., डॉ0 मौमिता कर्माकर सीनियर प्रोग्राम एसोसिएट, विभूषित सक्सेना अर्बन डेवलमेंट स्पेशलिस्ट सहित अन्य उपस्थित रहे।

गौमाता को राष्ट्र माता घोषित किये जाने के सम्बन्ध में प्रधानमंत्री सम्बोधित ज्ञापन पूरनपुर sdm को दिया

लुकमान खान

पीलीभीत/पूरनपुर(वेलकम इंडिया)। हिन्दू सुरक्षा सेवा संघ (जनपद-पीलीभीत आपसे निवेदन करता है कि गौ माता भारतीय संस्कृति, सभ्यता और परम्परा में अत्यंत पूजनीय एवं सम्माननीय है। प्राचीन काल से ही गौ माता को भारतीय समाज में मातृत्व समृद्धि पोषण सेवा कखणा का प्रतीक माना गया है।

हमारे वेद पुराण, शाछा तथा धार्मिक ग्रंथों में गौ माता की महिमा का विस्तृत वर्णन मिलता है। गौ माता केवल सनातनी आस्था का विषय ही नहीं बल्कि भारतीय कृषि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, स्वास्था और पर्यावरण सरंक्षण को भी आधार रही है। गौवंश से प्राप्त दूध घी, दही, एवं गोबर एप गौमूत्र का उपयोग मानव जीवन, खेती किसानी, औषधि निर्माण तथा जैविक कृषि में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ।

आज किसी करोणों किसानो की आजीविका गौवंश पर निर्भर है। ॐ माता भारतीय समाज को एकता, सेमा, प्रति सरंक्षण का संदेश देती है। हा राष्ट्रहित, संस्कृति संरक्षण तथा भाने घाली चीदियों को भारतीय मूल्यों से जोड़ने के उध्देश्य से गौ माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित किया जाने की मांग है।

हिन्दू सुरक्षा सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्ध पीठ हनुमान गढी के महंत राजू दास ने यह मांग की है।

तेज गर्मी से बचाव के बताए तरीके :मुख्य चिकित्साधिकारी

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। गर्मी तेजी के साथ बढ़ रही है अधिक गर्मी होने पर पशु/पक्षी का तापमान अधिक तेजी के साथ बढ़ता है। समय से पीने का पानी की व्यवस्था न होने के कारण पशु पक्षियों की मृत्यु होने की सम्भावना हो जाती है। लू लगने से पशुओं के मुंह से झाग आने लगता है तथा पशु मुंह खोलकर सांस लेने लगता है। पशु बेहोश भी हो जाता है, अधिक गर्मी से पशुओं से स्ट्रेस हो जाता है तथा पशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कम हो जाती है। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि सभी पशुपालकों/गौ आश्रय स्थल संचालकों को निम्न सावधानियॉ बरतते हुये अपने पालतू पशुओ/गौवंशो एवं पक्षियों को लू के प्रकोप से बचाने की सलाह दी गई है। काम करने वाले पशुओं को प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 03 बजे तक छायादार स्थान पर आराम करने दें। सभी पशु पक्षियों के लिए समुचित पीने के पानी की व्यवस्था की जाये, जिससे आवश्यकतानुसार पानी पीने के लिए सके। ज्वार/चरी के खेतों में सिंचाई तीन से चार दिन के अन्तराल पर की जाये। सूखे खेतों की ज्वार चरी पशुओं को खिलने से साईनाईट विषाक्त हो जाती है। पशुओं को दिन में बाडे ही रखा जाये। पशुओं के लिए ऐसी व्यवस्था की जाये कि सीधे हवा पशुओं के सम्पर्क में न आये। पशुओं को नहलाने के लिए समुचित व्यवस्था की जाये। टीन शेड वाले पशु आवास के ऊपर घास, फूस, पराली आदि डाल दे जिससे शेड गर्म न हो, शेड के ऊपर चूने की पुताई कर शैड को गर्म होने से बचाये। बिना किसी वजह से निराश्रित पशु पक्षियों को छायादार स्थानों से न भगाया जाये। उनके प्रति दया का भाव रखे। बन्द वाहनों/कारो में शीशे बन्द कर के पालतू कुत्ता, बिल्ली अथवा अन्य किसी पशु पक्षी को न रखे। ग्रामीण क्षेत्रों के पोखरो तालाबो आदि को स्थानीय निकाय/ग्राम पंचायतों द्वारा पानी से भरवाया जाये। जिससे सभी पशु पक्षियों को पीने का पानी एवं नहाने का पानी मिल सके। नगरीय क्षेत्र के स्थानीय निकायों द्वारा निराश्रित पशु पक्षी के लिए यथा सम्भव छायादार स्थानों पर पीने के पानी की व्यवस्था की जाये। गौ आश्रय स्थलों पर संरक्षित सभी गौवंशो को प्रातः 10 बजे से पूर्व भोजन/चारा उपलब्ध कराया जाये तथा शाम को 04 बजे के बाद भोजन/चारे की व्यवस्थ अवश्य की जाये। किसी भी गौवंश को दिन के समय शेड से बाहर न रखा जाये। गौ आश्रय स्थलो पर पंखे, कूलरो को ठीक करा लिया जाये।

गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन समारोह में पहुंचे जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के विकास खण्ड गढ़मुक्तेश्वर में जनपद के प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल जी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसमें विजयपाल आढती, विधायक, हापुड़, हरेंद्र तेवतिया,विधायक, गढ़मुक्तेश्वर, रेखा नागर, अध्यक्ष जिला पंचायत, हापुड़, कविता माधरे, जिलाध्यक्ष बी० जे०पी०, कविता मीना,जिलाधिकारी, हापुड़, श्रुति शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी, हापुड़ एवं अन्य जनप्रतिनिधि की गरिमामयी उपस्थिति रही। उत्तर-प्रदेश सरकार के द्वारा निराश्रित गोवंशों के भरण-पोषण हेतु चलाये जा रहे भूसा संग्रहण अभियान में जनपद के 20 बड़े भूसा दान दाताओं को आयोजन स्थल पर भूसा दान पुण्य की एफ०डी० के प्रमाण-पत्र वितरित किये गये।

जिलाधिकारी के द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद हापुड़ में कुल 30 गो आश्रय स्थल स्थापित हैं जिनमें (02 नगरीय, 02 कांजी हाउस, 01 कान्हा गौशाला, 04 वृहद गो संरक्षण केन्द्र एवं 21 अस्थायी गो आश्रय स्थल हैं) कुल 3596 निराश्रित गोवंशों को संरक्षित किया गया है। मुख्यमंत्री सहभागिता योजनान्तर्गत गो आश्रय स्थलों से अद्यतन कुल 1262 गोवंशों को इच्छुक पशुपालकों को सुपुर्द किया गया है जिन्हें प्रति गोवंश प्रतिदिन रू0-50 की दर से प्रति माह रू0-1500/- डी०बी०टी० के माध्यम से धनराशि प्रदान की जा रही है।

निराश्रित गोवंशों की समस्या. के निराकरण हेतु जनपद में 05 नवीन वृहद गो संरक्षण केन्द्रों (विकास खण्ड धौलाना में वृहद गो संरक्षण केन्द्र, पारपा, हिण्डालपुर, शेखपुर खिचरा द्वितीय एवं तृतीय, विकास खण्ड सिम्भावली में वृहद गो संरक्षण केन्द्र, हिम्मतपुर) का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इससे जनपद की गो संरक्षण क्षमता 2000 और बढ़ जायेगी।गो आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों को गर्मी एवं लू से बचाव हेतु उपयुक्त उपाय अपनाये जा रहे हैं।

सभी गो आश्रय स्थलों में पीने का स्वच्छ एवं ताजे पानी की व्यवस्था की गयी है। गो आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों को भूसा, हरा चारा एवं पशु आहार नियमित रूप से उपलब्ध कराया जाता है तथा पशु चिकित्सक द्वारा प्रतिदिन गोवंशों का स्वास्थ-परीक्षण, समय-समय पर टीकाकरण एवं कृमिनाशक औषधियां उपलब्ध करायी जाती हैं।इन गो आश्रय स्थलों में घायल गोवंशों की सूचना प्राप्त होने पर उन्हें संरक्षित कर चिकित्सा की जाती है। जिलाधिकारी ने सभी से अपील की कि वर्तमान में जनपद में भूसा दान महा अभियान कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसमें कोई भी व्यक्ति अपनी स्वेच्छा से गोशाला में भूसा, हरा चारा अथवा पशु आहार दान कर सकता है।

गोवंश संरक्षण एक सामूहिक जिम्मेदारी है अतः आप सभी से अपील की जाती है कि शुद्ध दूध एवं दुग्ध उत्पाद प्राप्त करने के लिए और अपने परिवार के अच्छे स्वास्थ्य के लिए गो-पालन को बढावा दें तथा गायों का दूध सूखने पर उन्हें निराश्रित के रूप में न छोड़ें।

उचित परामर्श एवं पोषण से वे शीघ्र ही दोबारा गाभिन हो सकती हैं तथा एक गाय से कई बार उन्नत बछिया सेक्स सॉर्टेड सीमेन का प्रयोग कर प्राप्त की जा सकती हैं।

गायें अनमोल एवं पूजनीय हैं। इनकी रक्षा एवं संरक्षण करना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। (डा० ओ०पी० मिश्रा) मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, हापुड़ मौजूद रहे।

वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर चिंताजनक खबर आई सामने, मादा तेंदुए का शव पानी में तैरता दिखा

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। बुधवार सुबह नारायन ठेर गांव के पास स्थित सराय सुंदरपुर नहर में एक मादा तेंदुए का शव पानी में तैरता हुआ मिला। शव मिलने से पास के इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी।

पानी में तैरते तेंदुए के शव की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। और बहीं सामाजिक वानिकी प्रभाग की टीम मजबूती के साथ घटनास्थल पर पहुंची। जिसके बाद वन कर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से तेंदुए के शव को नहर से बाहर निकाला और तेंदुए के शव को अपने कब्जे में ले लिया।

जांच के आधार पर वन विभाग के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मृत तेंदुआ लगभग 18 महीने (डेढ़ साल) की मादा थी। प्रथम दृष्टया शव पर मौत के कारणों का कोई स्पष्ट निशान नहीं मिला है, हालांकि शरीर पर बाहरी चोटों की गहनता से पड़ताल की जा रही है।सामाजिक वानिकी के डीएफओ भरत कुमार ने घटना की पुष्टि की।

उन्होंने बताया कि तेंदुए के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

श्री धार्मिक लीला कमेटी ने अपने गुरू हरीश चन्द्र आजाद को फरीदाबाद छोडने पर भावुक विदाई दी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

फरीदाबाद। आज श्री धार्मिक लीला कमेटी एन आई टी एम ब्लाक के कलाकारों ने अपने निर्देशक गुरू हरीश चन्द्र आजाद को फरीदाबाद छोडकर पूणे बसने पर भावुक विदाई दी।

रामलीला कमेटी के प्रधान तेजिन्द्र खरबंदा ने कहा कि हरीश आजाद हमारी तीन पीढ़ीयों को पिछले 45 वर्षों से रामलीला का निर्देशन दे रहे हैं आज उनके फरीदाबाद छोडकर जाने पर बहुत भावुक हो रहें है उन्होंने आजाद को बुके भेंट करते हुए कहा कि रामलीला की पूरी टीम आपके पूणे में उज्जवल भविष्य की कामनायें करते हैं।

हरीश आजाद ने कहा कि फरीदाबाद छोडनें का मुझे भी बहुत दुख है और यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा व कड़ा फैसला है जिसको लेने के लिये मुझे बहुत पीड़ा से गुजरना पड़ा क्योंकि रामलीला और समाजसेवा के क्षेत्र में फरीदाबाद में मेरी अलग पहचान बनी आज न केवल फरीदाबाद बल्कि हरियाणा में समाजसेवा और रामलीला के क्षेत्र में मेरी अग्रिम पहचान बनी बेटी बचाओ अभियान ने मुझे देश स्तर तक पहचान दी जिसकी वजह से पूणे में भी मेरे साथी है जिनके साथ वहाँ का सफर तय करूंगा। आजाद ने प्रदेश व शहर वासियों के साथ-साथ पत्रकार बंधुओं का धन्यवाद किया जिन्होंने मेरी रामलीला निर्देशन की कला और समाजसेवा के जज्बे को जन-जन तक पहुंचाकर मेरी अग्रीम समाजसेवियों में पहचान बनाने में अहम भूमिका निभाई। अंत में हरीश आजाद ने कहा कि रामलीला का निर्देशन करने वह प्रत्येक वर्ष फरीदाबाद आया करेंगे। इस मौके पर तेजिन्द्र खरबंदा, सतीश नागपाल, अजय खरबंदा, विकास बत्रा, पंकज खरबंदा, परवीन बत्रा, राजीव खरबंदा, रिकूं दिवान, गुलशन नागपाल व शन्टी चावला आदि उपस्थित थे।

अधिकारियों का एक दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

वेलकम इंडिया ब्यूरो

धौलपुर राजस्थान। जिले में जनगणना-2027 के प्रथम चरण के लिए उपखण्ड अधिकारियों एवं चार्ज अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण, जनगणना कार्य सहायक निदेशक विशाल गर्ग ने दिया। अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी हरिराम मीना ने बताया कि प्रथम चरण के मकान सूचीकरण के कार्य के अंतर्गत 1 मई से 15 मई तक स्व गणना अभियान आयोजित होगा तथा 16 मई से 14 जून तक प्रगणक द्वारा फील्ड वर्क का कार्य किया जाएगा।

इस स्व-गणना अभियान के अंतर्गत आमजन स्वयं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी आसानी से दर्ज कर सकते हैं। इस दौरान प्रशिणार्थियों को जनगणना 2027 की तैयारियों एवं आगामी प्रगणक एवं पर्यवेक्षक के प्रशिक्षण के संबंध में, आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सहायक निदेशक विशाल गर्ग ने समस्त चार्ज अधिकारियों को प्रथम चरण के लिए मकान सूचीकरण एवं मकान गणना के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी।

इसमें जनगणना का उद्देश्य, प्रक्रिया, डेटा की गोपनीयता, एचएलओ एप का प्रभावी उपयोग और जनगणना अनुसूचियों के संचालन की विस्तृत जानकारी दी गई। इसका लक्ष्य जनगणना कार्य को निर्धारित समयावधि में सटीक, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से पूरा करना है।

गन्ना भुगतान और खाद की किल्लत को लेकर गरजी भाकियू (अराजनैतिक), दी आंदोलन की चेतावनी

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की एक आवश्यक पंचायत जिलाध्यक्ष सरदार मंजीत सिंह के आवास पर संपन्न हुई। बैठक में जनपद के किसानों की ज्वलंत समस्याओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया और प्रशासन के ढुलमुल रवैये पर कड़ा रोष व्यक्त किया गया। पंचायत का सफल संचालन ब्लॉक अध्यक्ष पवन कुमार वर्मा ने किया।

प्रमुख मुद्दे: गन्ना भुगतान और सरकारी नियम

पंचायत को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मंजीत सिंह ने चीनी मिलों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहाः भुगतान में देरीः पेराई सत्र समाप्त होने के बावजूद पीलीभीत की चीनी मिलों ने किसानों का करोड़ों रुपया दबा रखा है।

गन्ना एक्ट का उल्लंघन: नियम के अनुसार 14 दिनों के भीतर भुगतान अनिवार्य है, अन्यथा ब्याज का प्रावधान है, लेकिन मिलें नियमों की धज्जियां उड़ा रही हैं।

आर्थिक संकट: भुगतान न होने से किसानों के सामने बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और अगली फसल की बुवाई का संकट खड़ा हो गया है।

गेहूं खरीद और खाद की समस्या

बैठक में शारदा पार क्षेत्र की उपेक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। मंजीत सिंह ने बताया कि पूरनपुर के सैकड़ों गांवों के लिए प्रशासन ने मात्र एक खरीद केंद्र बनाया है, जहाँ बारदाने की कमी बताकर खरीद ठप पड़ी है।

इसके अलावा उर्वरक की कमी: सहकारी समितियों और उर्वरक केंद्रों पर खाद उपलब्ध नहीं है, जिससे गन्ना और मक्का की फसलों को भारी नुकसान हो रहा है।

बिजली कटौती: ग्रामीण क्षेत्रों में शेड्यूल के अनुसार बिजली नहीं मिल रही है। बिजली विभाग को चेतावनी दी गई है कि यदि सुधार नहीं हुआ, तो बिजलीघरों पर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

पंचायत के समापन पर किसानों की समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी पीलीभीत (ज्ञानेन्द्र कुमार) को संबोधित करते हुए नायब तहसीलदार पूरनपुर अभिषेक त्रिपाठी को सौंपा गया।

कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में सभी प्रकार के बीज बुकिंग कराते हुए ई-लाटरी के माध्यम से कृषकों को उपलब्ध कराया जायेगा

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जिला कृषि अधिकारी द्वारा किसानो को दी गई जानकारी कि खरीफ-2026 में कृषि विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं में समस्त प्रकार के बीज पहले आओ पहले आओ के सिद्वान्त के स्थान पर बुकिंग कराते हुए ई-लाटरी के माध्यम से कृषकों को उपलब्ध कराया जायेगा। विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत बीज वितरण (धान प्रजाति पी0आर0-113, पी0आर-130, डी0आर0आर0-63) ढैंचा बीज, उर्द बीज, सोयाबीन बीज, तिल बीज एवं अरहर मिनीकिट, उर्द मिनीकिट, तिल मिनीकिट, ज्वार मिनीकिट, बाजरा मिनीकिट, सावा मिनीकिट, कोदो मिनीकिट, रागी मिनीकिट हेतु निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष समस्त बीज की बुकिंग विभाग के पोर्टल https://agriculture.up.gov.in पर 22.अप्रैल से प्रारम्भ कर दी गयी है, जिसकी अन्तिम तिथि 10 मई 2026 निर्धारित है। इस पोर्टल पर किसान अपनी आवश्यकतानुसार आवश्यक बीज की बुकिंग कर सकते है। बीज वितरण एवं मिनीकिट बीज वितरण के लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होने की दशा में जनपद स्तरीय गठित कमेटी के समक्ष ऑनलाइन (ई-लॉटरी) के माध्यम से लाभार्थियों का चयन किया जायेगा। जो पूरी तरह पारदर्शी है।

साध्वीद्व के दीक्षा दिवस पर जीव दया कार्यक्रम हुआ आयोजित, जल कुण्डी, परिण्डे, पक्षी घर व चबूतरे लगाएं

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बाड़मेर राजस्थान। प. पू. साध्वीश्री सुमितप्रज्ञाश्रीजी मसा एवं लक्षितांजनाश्रीजी मसा के दीक्षा दिवस के उपलक्ष में बुधवार को जन कल्याण संस्थान, बाड़मेर के सौजन्य एवं भामाशाह रमेश कुमार मिश्रीमलजी बोथरा परिवार के सौजन्य से ओर से थार नगरी, बाड़मेर में महाबार रोड़ स्थित जैन मोहल्ले में सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश बोहरा अमन के सानिध्य में जीव दया कार्यक्रम का आयोजित हुआ। जिसमें पशु-पक्षियों के लिए जल, भोजन व आवास की व्यवस्था के तहत जल कुण्डी, परिण्डे, चबूतरे व पक्षी घर लगाएं गए।

गुरूभक्त सूरज बोथरा ने बताया कि प. पू. साध्वीश्री सुमितप्रज्ञाश्रीजी मसा एवं लक्षितांजनाश्रीजी मसा के दीक्षा दिवस के उपलक्ष में शहर में जीव दया कार्यक्रम कर पशुओं व पक्षियों की सेवा की गई। जिसमें महाबार रोड़ स्थित जैन मोहल्ले में पशु जल सेवा में जल कुण्डिया लगाई गई वहीं पक्षियों की जल, भोजन व आवास सेवा में परिण्डे, चबूतरे व पक्षी घर लगाएं गए। साथ ही गौशाला में जल सेवा की गई।

संस्थान अध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश बोहरा अमन ने कहा कि संस्थान की ओर से भीषण गर्मी में अबोल जीवों की सेवा को लेकर सतत कार्य किया जा रहा है। जिसमें बड़ी उदारता से जन सहयोग मिल रहा है। अमन ने कहा कि परोपकार व प्राणी मात्र की सेवा व कल्याण में ही मानव जीवन का सार व सार्थकता है।

सरकारी एवं प्राइवेट क्षेत्र को कन्वर्ज करना होगा- डॉ डीपी शर्मा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

धौलपुर राजस्थान। जयपुर के ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (GIT) में भारद्वाज फाउंडेशन द्वारा 44वां राष्ट्रीय इंडस्ट्री-अकादमिक इंटरफेस' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन का मुख्य केंद्र डॉ. पी. एम. भारद्वाज और डॉ. डी. पी. शर्मा के विचार रहे। डॉ. भारद्वाज ने राष्ट्र निर्माण के लिए शिक्षा और उद्योग के बीच निरंतर संवाद को अनिवार्य बताया। उन्होंने केवल डिग्री लेने के बजाय 'सच्ची विद्या' ग्रहण करने, यातायात नियमों का पालन करने और 'स्वच्छ भारत अभियान' को सफल बनाने की सामूहिक शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि भारद्वाज फाउंडेशन देश का पहला NGO है जिसने इस तरह के 44 राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। डॉ. डी. पी. शर्मा (यूनेस्को लीड ऑथर एवं डिजिटल डिप्लोमेट) ऑनलाइन माध्यम से जुड़े डॉ. शर्मा ने कहा कि रिसर्च और डेवलपमेंट (R&D) केवल इंडस्ट्री की नहीं, बल्कि शिक्षण संस्थानों की भी जिम्मेदारी है।

अनियमितताओं के विरोध में फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने दिया मंत्री को ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश सरकार में केबिनेट मंत्री आशीष पटेल (प्राविधिक शिक्षा विभाग, उपभोक्ता संरक्षण विभाग, और भार एवं माप विभाग) जी से मिलकर फामेर्सी टीचर्स को हो रही विभिन्न परेशानियों के लेकर ज्ञापन दिया। प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार ने कहा प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा पॉलिटेक्निक में कॉपियों के मूल्यांकन की राशि कई वर्षों से नहीं बढ़ाई गई है जबकि महंगाई प्रति वर्ष बढ़ रही। कापियों की मूल्यांकन राशि आज भी 15 रुपए है प्रयोगात्मक व लिखित परीक्षा की कॉपियों की मूल्यांकन राशि को

बढ़ाकर 50 रुपए प्रति कॉपी किया जाए। परीक्षा शुल्क को बढ़ाकर पंद्रह सौ रुपए प्रति वर्ष किया जाए।

एक अध्यापक के कॉपी मूल्यांकन करने की लिमिट को बीस हजार से बढ़ाकर पिचहतर हजार किया जाए, फामेर्सी कॉलेज के स्पेक्शन में देखा जाता रहा है पॉलिटेक्निक के अन्य ट्रेड के अध्यापकों को भेजा जाता है जिन्हे फामेर्सी संवर्ग की कोई जानकारी नहीं रहती है, फामेर्सी काउंसिल आफ इंडिया द्वारा अनुभवी फामेर्सी स्पेक्टर से इंस्पेक्शन कराया जाता है उसी की तर्ज पर फामेर्सी कॉलेज में इंस्पेक्शन के लिए फामेर्सी से संबंधित अनुभवी अध्यापकों (एम फार्मा और लगभग दस वर्ष से अधिक का अनुभव)को भेजकर ही कराया जाए और उसकी नियमावली बनाई जाये।

लिखित और प्रयोगात्मक परीक्षा परिश्रमिकी बिल भुगतान परीक्षक की लॉगिन पर उपलब्ध कराया जाये।

आगे इसी कड़ी में डा .राजाराम गंगवार राष्ट्रीय सचिव ने बताया उत्तर प्रदेश में हजारों परीक्षकों की आईडी गलत तरीके से बनी है जो की मार्केटिंग या मेडिकल पर कार्यरत हैं या जिन्हे एक साल का भी शैक्षणिक अनुभव नहीं हैं कुछ की मृत्यु हो चुकी कुछ सरकारी नौकरी में है जबकी पीसीआई द्वारा निर्देश है कि बीफार्मा किए हुए तीन वर्ष के अनुभव के बाद ही अध्यापन का कार्य कर सकता है और उसके बाद ही मूल्यांकन कर सकता है। परीक्षक आईडी की जांच कराकर संस्था से वेरिफिकेशन कराया जाए जिससे पारदर्शिता बने ।

मंत्री जी आश्वासन दिया है जल्द ही इस पर कार्यवाई की जायेगी इस अवसर पर डा.राजाराम गंगवार राष्ट्रीय सचिव, शिव कुमार प्रदेश अध्यक्ष उ.प्र. अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन, विष्णु यादव प्रदेश महासचिव, दुर्वेश आर्य प्रदेश सचिव, नदीम खान, हर्षित अग्रवाल, आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे ।

स्मार्ट मीटर की खराबी एवं अत्यधिक बल को लेकर एसडीओ को सोपा ज्ञापन

तीन सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

फतेह खान

रूदौली अयोध्या(वेलकम इंडिया)। पटरंगा थाना क्षेत्र के अंतर्गत हाड़ मऊ गनौली निवासी इंजीनियर मो अदनान खान के नेतृत्व में विद्युत विभाग के एसडीओ को स्मार्ट मीटर की तकनीकी खराबी एवं उससे आ रही अत्यधिक बिल के समाधान हेतु तीन सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराते हुए कहा कि विद्युत विभाग द्वारा लगाए गए स्मार्ट मीटर में भारी विसंगतियां पाई जा रही है। सामान्य विद्युत उपकरण के बावजूद भी मीटर रीडिंग की गति बहुत ज्यादा आ रहे हैं जिसके चलते उपभोक्ता काफी परेशान है। अत्यधिक बल एवं मीटर रीडर द्वारा अधिक बिल बढ़ने एवं रिचार्ज करने के कुछ घंटे के बाद बैलेंस माइंस में चला जाता है।

जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं के ऊपर आर्थिक बोझ एवं मानसिक तनाव बना हुआ है। ज्ञापन के माध्यम से भी बताया गया कि उक्त ग्राम सभा में कैंप लगाकर इस जटिल समस्या को दुरुस्त करने की कृपा करें। इस अवसर पर अशफाक खान कामता प्रसाद कन्हैया लाल लालता प्रसाद मोहम्मद शाहिद अच्छन रामप्रकाश रामसेवक लीलावती नसीम लाइक इदरीस साजन कुमार राम लखन संजू देवी

यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर हटवाया गया अतिक्रमण, लोगो को किया गया जागरुक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बुद्धवार को पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी यातायात अमित कुमार के पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात परमहंस ने आशीर्वाद मोड़ से लेकर ल्उ्रुठ बैंक मोड़ तक विशेष अभियान चलाकर अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया तथा फुटपाथ के किनारे अवैध रूप से लगाये गये ठेले, अनियमित तरीके से किये गये वाहन पार्किंग/वाहन स्टैण्ड द्वारा किये गए अतिक्रमण को हटाया गया । आम जनमानस को यातायात जागरुकता के नियमों के बारें में जागरुक करते हुए वाहन चलाते समय तीन सवारी न बैठने, बिना नम्बर प्लेट लगी वाहन न चलाने, नशे की हालत में गाड़ी न चलाने, वाहन को ओवर स्पीड से न चलाने हेतु बताया गया । साथ ही लोगों से अपील भी किया गया कि वे अपने परिवार वालों एवं रिश्तेदारों तथा आसपास के लोगों को वाहन चलाते समय हेलमेट व सीट बेल्ट के प्रयोग करने हेतु प्रेरित करें ।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता महेश चंद शर्मा ऊर्फ गोल्डी भैया का जनसंपर्क जारी

दो वर्ष से लगातार सभी जाति धर्म और संप्रदाय के लोगों से बना रहे हैं नजदीकियां

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के नेता महेश शर्मा उर्फ गोल्डी भैया को प्रत्याशी बनाया जाना लगभग निश्चित है। उन्होंने अपने क्षेत्र में वॉल पेंटिंग के साथ ही व्यक्तिगत जनसंपर्क करीब दो साल से शुरू कर दिया है। गोल्डी भैया ने बताया कि पार्टी हाई कमान का उन्हें पूरा आशीर्वाद प्राप्त है।

इसी के चलते उन्होंने गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र के 80 फीसदी गांव के सभी जाति धर्म और संप्रदाय के लोगों के साथ सघन जनसंपर्क शुरू कर दिया है। क्षेत्र की जनता का उन्हें भरपूर सहयोग मिल रहा है।आगामी

चुनाव किस मुद्दे पर लड़ा जाएगा इस पर गोल्डी भैया ने बताया चुनावी मुद्दे पार्टी हाई कमान और उनके सहयोगियों को तय करना है।

बेरोजगारी और बिजली को लेकर आम आदमी त्रस्त है उसकी समस्या को ध्यान में रखा जाएगा। गोवर्धन क्षेत्र से सत्ताधारी भाजपा के वर्तमान विधायक ठाकुर मेघ श्याम सिंह को लेकर जनता में आक्रोश देखा जा रहा है।

इस पर गोल्डी भैया ने कहा जब कोई व्यक्ति वादा करके अपने वादे को भूल जाता है। ऐसी स्थिति में जनता का आक्रोशित होना स्वाभाविक है। वर्तमान विधायक की टिकट काटने की संभावना को लेकर उन्होंने कहा यह उनका व्यक्तिगत मामला है ।इस पर वह कुछ नहीं कहना चाहते। गोल्डी भैया ने बताया वह क्षेत्र में होने वाले तमाम धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में शरीक होते हैं और लोगों की समस्याओं से रूबरू होते हैं। आगामी 2027 में समाजवादी पार्टी की प्रदेश में सरकार बनती है तो वह गोवर्धन क्षेत्र की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर समाधान करवाएंगे ।गोल्डी भैया का कहना है जिस परिवार पर कुदरत का कहर पड़ता है। ऐसे परिवारों से और में चाहे कोई गरीब हो या अमीर किसी भी जाति धर्म का व्यक्ति हो सभी के यहां संपर्क कर सद्भावना व्यक्त करते हैं। गोल्डी भैया ने बताया आगामी विधानसभा चुनाव में क्षेत्र की जनता उन्हें विधायक चुनेगी। ब्राह्मण समाज अपना प्यार और दुलार रूपी मत उनके पक्ष में रहने पर गोवर्धन धाम में विशाल भगवान परशुराम जी का भव्य और दिव्य मंदिर बनवाएंगे।

भीषण गर्मी काअसर ,अस्पतालों में बढ़ी मरीजों की भीड़

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और चल रही गर्म हवाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी का असर अब लोगों की सेहत पर भी साफ दिखाई देने लगा है। तेज धूप और लू के कारण बड़ी संख्या में लोग बुखार, दस्त, उल्टी, जुकाम और शरीर में कमजोरी जैसी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं।

बढ़ते मरीजों के से अस्पताल में भीड़ बढ़ रही है। बुधवार को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। अस्पताल में तैनात डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी लगातार मरीजों की जांच कर उन्हें दवाइयां उपलब्ध कराने में जुटे हुए हैं।

अस्पताल परिसर में भीड़ बढ़ने के कारण कई बार मरीजों को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। गर्मी के कारण छोटे बच्चों और बुजुर्गों की तबीयत अधिक खराब हो रही है, जिन्हें

विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

चिकित्सा प्रभारी डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि भीषण गर्मी और लू के चलते मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले सभी मरीजों की जांच कर उन्हें उपचार और दवाइयां दी जा रही हैं। साथ ही लोगों को गर्मी से बचाव के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। डॉक्टरों ने लोगों से अपील की है कि दोपहर के समय तेज धूप में बाहर निकलने से बचें।

यदि जरूरी काम से बाहर जाना पड़े तो सिर को कपड़े से ढककर निकलें और पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करें। इसके अलावा बाहर का खुला और बासी भोजन खाने से बचने की सलाह भी दी गई है, ताकि गर्मी जनित बीमारियों से सुरक्षित रहा जा सके।

थाना दिवस में कोतवाल ने सुनी समस्याएं

लोगों से संवाद कर बेहतर कानून व्यवस्था हेतु मांगा शहयोग

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। कोतवाली बैजनाथ पुलिस ने डंगोली चौकी में थाना दिवस का आयोजन कर क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनी। कोतवाल कैलाश नेगी ने सभी लोगों से क्षेत्र में कानून व्यवस्था लागू करने, अराजक तत्वों2पर नकेल कसने, बाहरी लोगों को बिना सत्यापन के किराए में कमरा नही देने, राजस्व क्षेत्र से नियमित पुलिस व्यवस्था में शामिल हुए ग्रामीणों को बेहतर कानून व्यवस्था प्रदान करने, और किसी भी आपात स्थिति में पुलिस द्वारा तत्काल सहायता मुहैया कराने, हेतु लोगों को जागरूक किया।

थाना दिवस के दौरान प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बैजनाथ कैलाश सिंह नेगी एवं चौकी प्रभारी डंगोली उप निरीक्षक महेश चंद्र ने उपस्थित ग्रामीणों से उनकी समस्याओं एवं शिकायतों के संबंध में जानकारी ली। प्रभारी निरीक्षक कैलाश सिंह नेगी ने उपस्थित जनता को नये कानूनों के बारे में जानकारी दी।

नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें हेल्पलाइन नंबर 1933 और 'मानस' पोर्टल की जानकारी दी। साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क करते हुए कहा कि अनजान लिंक पर क्लिक न करें और अपना बैंक विवरण साझा न करें, धोखाधड़ी होने पर तत्काल 1930 पर सूचित करें।

यातायात सुरक्षा के दृष्टिगत सभी को अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने, सीटबेल्ट का प्रयोग करने की सख्त हिदायत दी गई।

कोतवाल नेगी ने सभी लोगों को वर्तमान में फायर सीजन को देखते हुए वनों को आग से बचाने में सहयोग करने और आग लगाने वाले अराजक तत्वों की सूचना पुलिस हेल्पलाइन 112 पर देने के लिए जागरूक किया। साथ ही कहा कि वन एक अनमोल धरा है,बन जलने से हम सभी1को बड़ा1नुकसान है साथ ही वन्य जीव जंतुओं के जीवन चक्र को भी कर रहा विनाश है1उन्होंने वनों को आग से बचाने की अपील की।

तेज आंधी के कारण दिन में हो गया अंधेरा, बिजली आपूर्ति पर पड़ा असर

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। बुद्धवार को आई तेज आंधी तूफान से जहाँ मौसम कुछ हद तक खुशगवार हो गया तो वहीं पेड़ गिरने और टिन शेड भी उड़ गये। शाम 4.45 बजे आई तेज आंधी और तूफान से लोगों में अफरातफरी मच गई लोग छुपने के लिए जगह ढूंढते हुए नजर आये। तेज आंधी और तूफान के समय अंधेरा छा गया। हवा की रफ़्तार काफी तेज थी। जिससे आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप रही।

उड़ान पुरस्कार वितरण समारोह 3 मई को

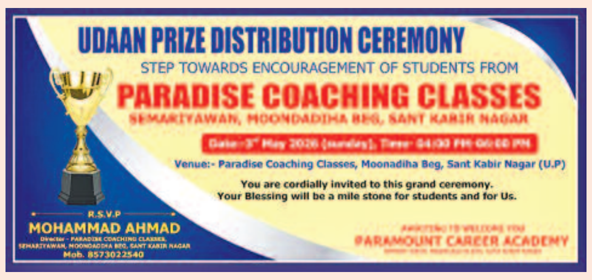

मोहम्मद अहमद

सेमरियावा(वेलकम इंडिया)। विकास खण्ड सेमरियावा के पैराडाइस कोचिंग क्लासेज मूड़ाडिहाबेग में आगामी 3 मई को उड़ान पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया है। उक्त जानकारी पैराडाइस कोचिंग क्लासेज मूड़ाडिहाबेग के डायरेक्टर मोहम्मद अहमद ने दी।

शुजागंज चौकी प्रभारी अभिषेक सिंह का विशेष अभियान, 15 वाहनों का चालान

फतेह खान

रूदौली अयोध्या(वेलकम इंडिया)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (ररढ) डॉ. गौरव ग्रोवर के निर्देश पर जनपद में चलाए जा रहे विशेष वाहन चेकिंग अभियान के तहत रूदौली कोतवाली क्षेत्र की शुजागंज चौकी पुलिस ने सख्त कार्रवाई की। चौकी प्रभारी अभिषेक सिंह के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 15 वाहनों का चालान किया गया।अभियान के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने, कागजात अधूरे होने, ट्रिपल राइडिंग तथा अन्य नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की गई।

अचानक चले इस विशेष अभियान से वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। कई लोग पुलिस कार्रवाई देखकर रास्ता बदलते नजर आए।चौकी प्रभारी अभिषेक सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी तरह गंभीर है। बिना हेलमेट, बिना लाइसेंस तथा नियमों

की अनदेखी कर वाहन चलाने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

उन्होंने लोगों से अपील की कि यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट पहनकर वाहन चलाएं और आवश्यक दस्तावेज साथ रखें, ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा, जिससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था के साथ सड़क सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनी रहे।

तीन स्थानों पर मारपीट,पीड़ितों ने थाने पहुंचकर दी तहरीर, कार्रवाई की मांग

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। नगर के अलग–अलग स्थानों पर हुई मारपीट के मामले में सभी पीड़ित पक्ष ने थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर देते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने जांच के बाद उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है ।कस्बे के बाईपास मार्ग निवासी सचिन ने बताया कि पड़ोस का एक व्यक्ति उसके घर पहुंचा और उससे रुपये उधार मांगने लगा। मना करने पर आरोपी ने गाली–गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट कर दी। शोर–शराबा होने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। मोहल्ला खेल निवासी नसीम ने आरोप लगाया कि पड़ोस का एक व्यक्ति पुरानी रंजिश रखता है। इसी रंजिश के चलते आरोपी ने धारदार हथियार से हमला कर उसे घायल कर दिया। पीड़ित ने थाने पहुंचकर कार्रवाई की मांग की है। एक अन्य घटना में मोहल्ला खेल निवासी साहिल ने बताया कि वह अपनी दुकान पर खाना देने जा रहा था। आरोप है कि रास्ते में पुरानी रंजिश के चलते कस्बे के दो युवकों ने उसे रोक लिया और गाली–गलौज करते हुए मारपीट कर दी। शोर होने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ितों ने परिवार के साथ थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और सुरक्षा की गुहार लगाई है।

एसओजी टीम ने 3.17 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बागेश्वर। ऑपरेशन प्रहार₹ के तहत पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र मेहरा द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही कर महत्वपूर्ण बरामदगी के निर्देश दिए गए है ।वही पुलिस और एसओजी की टीम लगातार युवाओं को नशे के दलदल में धकेलकर उनका भविष्य बर्बाद करने और समाज मे अराजकता का माहौल पैदा करने वालों पर शिकंजा कसने हेतु लगातार सघन चेकिंग अभियान चला रही है।

एसओजी प्रभारी इंस्पेक्टर सलाउद्दीन अपनी टीम के साथ लगातार ऐसे संदिग्ध नशा तश्करो

पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। वही एसओजी टीम को सघन चैकिंग के दौरान एक स्मैक तश्करी करने वाले अभियुक्त को पकड़ने में सफलता मिली है। टीम को नगर क्षेत्र में अनिल कुमार पुत्र जगदीश राम निवासी घटबगढ़ वार्ड बागनाथ कोतवाली बागेश्वर जो किपूर्व में भी अवैध रूप से नशा तश्करी करने में पकड़ा गया था,टीम द्वारा पहले ही ऐसे तश्करो पर पैनी नजर रखी जा रही थी, वही चेकिंग में पकड़ा गया युवक संदिग्ध प्रतीत हुआ। जिस पर एसओजी टीम ने सघनता से जांच करते हुए अभियुक्त के कब्जे से 3.17 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की। जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध कोतवाली बागेश्वर में बीएनएस की धारा 08/21 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय पेश किया गया हैं। अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में भी नशा तश्करी के मामले दर्ज है। अभियुक्त को पकड़ने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक एसओजी सलाउद्दीन, व उनकी टीम के सदस्य कांस्टेबल भुबन बोरा,रमेश सिंह संतोष सिंह आदि थे।

सरकारी भूमि पर कब्जे से रुकी नाला खुदाई,एसडीएम से कार्रवाई की मांग

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के सलेमपुर मार्ग पर जल निकासी व्यवस्था बदहाल होने से सड़क पर लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है। परेशान मोहल्लेवासियों ने जिला प्रशासन को शिकायती पत्र देकर पानी निकासी की मांग की थी। आप है कि कुछ लोगों ने सरकारी भूमि पर कब्जा कर सड़क के दोनों और पेड़ लगा रखे हैं जिस कारण नाला खुदाई में रुकावट हो रही है। शिकायत के बाद एसडीएम के निर्देश पर विकासखंड सचिव, कानूनगो और हल्का लेखपाल की टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी मशीन से कच्चे नाले की खुदाई शुरू कराई। खुदाई कार्य शुरू होने से कुछ हद तक पानी की निकासी होनी शुरू हो गई थीमोहल्लेवासियों का आरोप है कि कुछ लोगों ने सड़क किनारे सरकारी भूमि पर कब्जा कर पेड़ लगा रखे हैं, जिसके चलते नाले की खुदाई में बाधा उत्पन्न हो रही है। प्रशासन द्वारा नोटिस और चेतावनी दिए जाने के बावजूद कई लोगों ने अब तक पेड़ नहीं हटाए हैं। बुधवार को मोहल्ले के तनवीर, इकराम, इरशाद, शहजाद और सहित समेत अन्य लोगों ने एसडीएम को शिकायत कर सरकारी भूमि से कब्जा हटाकर पेड़ कटवाने सहित आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए समस्या के निस्तारण की मांग की है।

तिहास को नए नजरिये से समझने की पहल,वाराणसी में पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का शुभारंभ

इतिहास केवल घटनाएँ नहीं,व्याख्या की प्रक्रिया है- प्रो.गीता धर्मपाल

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। वाराणसी इंस्टीट्यूट ऑफ हिस्ट्री द्वारा ह्लइतिहास और इतिहासलेखनह्व विषय पर 29 अप्रैल 2026 बुधवार से पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला के पहले दिन बुधवार को उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता प्रो.गीता धर्मपाल हीडलबर्ग विश्वविद्यालय जर्मनी ने अपना विचार व्यक्त किया। मुख्य वक्ता ने अपने व्याख्यान में इतिहास के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोणों,स्त्रोतों की भूमिका तथा इतिहासलेखन की बदलती प्रवृत्तियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

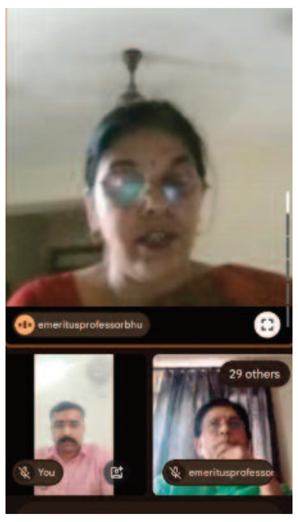

उन्होंने बताया कि इतिहास केवल घटनाओं का क्रम नहीं बल्कि उनके विश्लेषण और व्याख्या की प्रक्रिया भी है जो समय और समाज के अनुसार परिवर्तित होती रहती है। आगे अपने व्याख्यान में उन्होंने भारतीय इतिहास लेखन की परंपरा,उसके उपनिवेशवादी प्रभावों तथा उसे पुनः भारतीय दृष्टिकोण से समझने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

उन्होंने प्रसिद्ध चिंतक धरमपाल के कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने भारत के पारंपरिक ज्ञान,शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक संरचनाओं को ऐतिहासिक दस्तावेजों के आधार पर पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया।

प्रो.गीता धर्मपाल ने इतिहास लेखन में स्त्रोतों की विश्वसनीयता,दृष्टिकोण की निष्पक्षता तथा आधुनिक पद्धतियों के महत्व को भी रेखांकित किया। उनके व्याख्यान ने प्रतिभागियों को इतिहास के अध्ययन के प्रति एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया। संस्थान की संस्थापक निदेशक एमेरिटस प्रोफेसर अरुणा सिन्हा,इतिहास विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी ने अपने संबोधन में सभी अतिथियों,वक्ताओं का हार्दिक स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इतिहास और इतिहासलेखन का अध्ययन न केवल अतीत को समझने में सहायक है बल्कि वर्तमान को दृष्टि प्रदान करने और भविष्य के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने मुख्य वक्ता का परिचय देते हुए उनके शैक्षणिक योगदानों और शोध कार्यों की सराहना की तथा प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं।

संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को बौद्धिक स्वराज की अवधारणा से परिचित कराना तथा इतिहास को भारतीय परिप्रेक्ष्य में पुनः व्याख्यायित करने की प्रेरणा देना है। इस कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला की आयोजक सचिव डॉ.जयलक्ष्मी कौल असिस्टेंट प्रोफेसर इतिहास विभाग काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी ने किया।

इस कार्यक्रम में प्रो.किशोर कुमार,प्रो.शरदेंदु मुखर्जी,डॉ. कुलदीप कुमार मिश्र,डॉ.बैजू कुमार,सहित विभिन्न संस्थानों से लगभग 100 से अधिक विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस कार्यक्रम को सफल एवं सार्थक बनाया।

पीठाधीश्वर बाबा सिद्धार्थ गौतम राम के अवतरण दिवस पर एक मई को 55 नव युवक,युवती जोड़ो का सम्पन्न होगा सामूहिक विवाह

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। विश्व प्रसिद्ध अघोर पंथ पवित्र तीर्थस्थल-क्रीं कुंड रविन्द्रपुरी कालोनी स्थित बाबा कीनाराम स्थल पर जहां अघोरेश्वर बाबा कीनाराम ने सिद्धियां प्राप्त की थी के पीठाधीश्वर बाबा सिद्धार्थ गौतम राम के अवतरण दिवस पर एक मई शुक्रवार को बाबा कीनाराम स्थल,क्री- कुण्ड परिसर में चिकित्सा स्वास्थ्य,शिक्षा व सामाजिक क्षेत्र में जरुरत मंदों के लिए कार्य करने वाली अग्रणी सामाजिक संस्था,अघोराचार्य बाबा कीनाराम अघोर शोध एवं सेवा संस्थान के सौजन्य से जरुरत मंदों नव युवक-युवतियों का सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया है। संस्था के प्रमुख व्यवस्थापक अरुण सिंह एवं महिला मंडल के सदस्य व कार्यक्रम की संयोजिका रूबी सिंह ने 29 अप्रैल बुधवार को रविन्द्रपुरी कॉलोनी स्थित बाबा कीनाराम स्थल 'क्रीं कुण्ड' में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए अवगत कराया कि अवतरण दिवस के अवसर पर 55 जरूरतमंद नव युवक, युवतियों का सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया है जो रीति रिवाज के साथ संपन्न होगा। कार्यक्रम में पूर्वाह्न ग्यारह बजे से अपराह्न एक बजे तक हल्दी कार्यक्रम के पश्चात रात्रि आठ बजे से मध्य रात्रि तक सामूहिक विवाह सम्पन्न होगा और प्रसाद वितरित किया जाएगा। इस अवसर पर विशेष रूप से अघोर पीठ के पीठाधीश्वर बाबा सिद्धार्थ गौतम राम का नव विवाहित जोड़ों के साथ साथ सभी भक्तगणो को आशीर्वाद प्राप्त होगा। पत्रकार वार्ता में संगीता सिंह,राजेन्द्र सिंह,विनय सिंह, श्याम राज यादव,संजय सिंह,सिद्ध नाथ सिंह,नीरज वर्मा, रवि सिंह,कमलेश,शशिकान्त श्रीवास्तव सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

पुलिस महानिदेशक रेलवे श्री प्रकाश डी० ने वाराणसी कैंट जीआरपी थाने का किया औचक निरीक्षण,सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। पुलिस महानिदेशक रेलवे श्री प्रकाश डी.द्वारा जीआरपी थाना वाराणसी कैंट का निरीक्षण किया गया जिसमें यात्री सुरक्षा और अपराध नियंत्रण की दिशा में अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों की समीक्षा की गई। निरीक्षण के क्रम में आरंभ महिला हेल्प डेस्क के अवलोकन से हुआ जहाँ पीड़ित महिलाओं की शिकायतों के त्वरित और संवेदनशील निस्तारण हेतु तैनात महिला पुलिसकर्मी को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ साथ ऑप्स मुस्कान,मिशन शक्ति अभियान की समीक्षा की गई। पुलिस महानिदेशक द्वारा थाने में उपलब्ध तकनीकी संसाधनों जैसे बॉडी वॉर्न कैमरा,टेबलेट और अन्य उपकरणों की कार्यक्षमता को बारीकी से परखा और इनके अधिकतम उपयोग पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस महानिदेशक द्वारा हाल ही में डीजीपी उत्तर प्रदेश द्वारा पेश किए गए 'यक्ष' ऐप की उपयोगिता को बताते हुए सर्वसम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये। यक्ष ऐप से तकनीक के माध्यम से अपराधियों की तत्काल पहचान और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने हेतु निर्देशित किया गया एवं पुलिस महानिदेशक द्वारा स्टेशन परिसर में पब्लिक से भी वार्ता की गयी। अपराध समीक्षा के दौरान लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण और ट्रेनों में सुरक्षा घेरा मजबूत करने के निर्देश देते हुए बेहतर कार्यशैली की सराहना की गई।

इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन और कर्तव्यनिष्ठा के लिए कांस्टेबल जय किशन पीएनओ-1552763075 एवं महिला कांस्टेबल संगम सिंह पीएनओ-162221220 को नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर आईजी प्रयागराज एन कोलांची,सीओ वाराणसी कुवँर प्रभात व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी को दी विकास की बड़ी सौगात,अमृत भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में विकास की नई दिशा तय करते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने क्षेत्र के बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने वाली कई योजनाओं की सौगात दी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने बनारस से पुणे तथा अयोध्या से मुंबई के बीच संचालित होने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इन नई ट्रेनों के संचालन से यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ तेज,सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा का लाभ मिलेगा,साथ ही विभिन्न शहरों के बीच संपर्क और भी सुदृढ़ होगा। इस महत्वपूर्ण अवसर पर योगी आदित्यनाथ,आनंदी बेन पटेल,नितिन नबीन सहित प्रदेश सरकार के कई मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि एवं रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इसके साथ ही जेडआरयूसीसी (ZRUCC) रेलवे के सदस्य अरविंद त्रिपाठी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वाराणसी और पूर्वांचल के समग्र विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर निरंतर कार्य कर रही हैं उन्होंने आगे कहा कि इन परियोजनाओं से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा,रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और आमजन के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह ने प्रधानमंत्री के संबोधन का उत्साहपूर्वक स्वागत किया और विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया।

वाराणसी मंडल में रेल सुरक्षा को डिजिटल बढ़ावा,नया वेब-लिंक और क्यूआर कोड लॉन्च

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन के निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी एम.रमेश कुमार के नेतृत्व में पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा निरीक्षण चेकलिस्ट,एलसी गेट के लोकेशन,संरक्षा परिपत्र,शुद्धि पर्ची, संरक्षा ड्राइव,संरक्षा नियमावली आदि उपलब्ध कराने के लिए वाराणसी मंडल के अधिकारियों और कर्मचारियों की सहूलियत के लिए एक नया डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब-लिंक और संबंधित क्यूआर कोड विकसित किया है। इसमें उक्त उपयोगी संसाधन एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया गया हैं। इस पहल का उद्देश्य निरीक्षण किए जाने वाले आइटमों का त्वरित संदर्भ प्रदान करना,संरक्षा बढ़ाना,कर्मचारियों में संरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और वाराणसी मंडल के सुरक्षा विभाग में बेहतर अनुपालन सुनिश्चित करना है ताकि अद्यतन जानकारी तक कभी भी आसानी से पहुँचा जा सके। इसी वेब-लिंक और संबंधित क्यूआर कोड की जानकारी और जागरूकता के लिए वाराणसी मंडल के संरक्षा विभाग के सलाहकार विजय यादव,अविनाश मिश्रा तथा विकास भारती द्वारा 29 अप्रैल 2026 बुधवार को औड़िहार-गाजीपुर घाट रेल खण्ड पर पड़ने वाले समपार पर कार्यरत गेट मैनों एवं स्टेशनों पर संरक्षा से जुड़े कर्मचारियों को इस वेब-लिंक और संबंधित क्यूआर कोड के उपयोग की विस्तार से जानकारी दी गई।

वाराणसी मंडल का सुरक्षा अभियान 500 से अधिक बच्चों को दिया गया रेल संरक्षा का पाठ

रेलवे की 'शिक्षा अदालत' स्कूलों में बच्चों को सिखाए गए सुरक्षित यात्रा के नियम

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। पूर्वोत्तर रेलवे का वाराणसी मंडल सड़क उपयोगकताओं की संरक्षा को लेकर सतर्क है और उनकी सुरक्षा के लिए लगातार प्रयत्नशील है। इसी क्रम में मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन के निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी एम.रमेश कुमार के नेतृत्व में 29 अप्रैल 2026 बुधवार को वाराणसी मंडल के औड़िहार-गाजीपुर घाट रेल खण्ड पर पड़ने वाले समपार फाटकों नजदीकी विद्यालयों यथा-पूर्व माध्यमिक विद्यालय लालनपूर,माता लक्ष्मी देवी इंटर कॉलेज तरांव,प्राथमिक विद्यालय करण्डा एवं प्राथमिक विद्यालय सुखदेवपूर गाजीपुर में संरक्षा जागरुकता अभियान के तहत शिक्षा आदालत लगाकर 500 से अधिक बच्चों को सुरक्षा हेतु संरक्षा ज्ञान दिया गया। शिक्षा आदालत में स्कूली बच्चों को अनाधिकृत स्थानों से रेलवे ट्रैक पर नहीं करने,केवल रेलवे फाटकों अथवा उपरिगामी पुलों से ही ट्रैक पार करने,समपार फाटकों को पार करते समय सावधानी बरतने,फाटक बन्द होने की दशा में बुम के नीचे से ट्रैक पार न करने, गेट मैन पर अनाधिकृत दबाव नहीं डालने,क्षतिग्रस्त रेलवे फाटकों पर सावधानी बरतने एवं ओपन लाइन के रेलवे ट्रैक एवं विद्युत पोलों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने के सम्बंध में रोचक माध्यम से जानकारी दी गयी। इस अवसर पर वाराणसी मंडल के संरक्षा विभाग के संरक्षा सलाहकार विजय यादव, अविनाश मिश्रा तथा विकास भारती आदि द्वारा रेलवे सुरक्षा बल सदस्यों के साथ क्रमबद्ध रूप से विभिन्न विद्यालयों में सड़क मार्ग से जाकर शिक्षा अदालत के मंचन में सहयोग किया गया।

वाराणसी में अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई,सील के बाद भी जारी काम पर एफआइआर की तैयारी

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। रामेश्वर तिवारी द्वारा ऑनलाईन मानचित्र संख्या -VDA/BP/23-24/0282 स्टिल्ट + 3 तलों का आवासीय स्वीकृत कराया गया था। स्वीकृत मानचित्र के विपरीत सेटबैक कवर करते हुए लगभग 50 x 50 क्षेत्रफल में बी+जी+1 के ऊपर आर.सी.सी.पिलर का निर्माण किये जाने पर उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की सुसंगत धारा-27 के अन्तर्गत नोटिस 1 मई 2025 को कार्यवाही करते हुए स्थल को सील कर स्थानीय थाने की अभिरक्षा में सुपुर्द कर दिया गया था। उक्त निर्माण कार्य रोके व सील किये जाने के पश्चात भी पक्ष द्वारा स्थल पर चोरी-छिपे तथा रुक-रुक कर रात्रि में निर्माण कार्य किया जा रहा था स्थानीय प्रवर्तन टीम द्वारा रोके जाने हेतु लोक हित में पुनः प्राधिकरण द्वारा उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा-28 (क) के अन्तर्गत 12 मार्च 2026 को पुनः सील करते हुये स्थानीय थाने को कार्यवाही की सूचना लिखित रूप से प्रेषित की गयी थी। वर्तमान समय में प्राधिकरण द्वारा संबन्धित अवैध निर्माणकर्ता के विरुद्ध प्रथम सूचना दर्ज कराये जाने हेतु कार्यवाही करायी जा रही है। वीडीए सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि भविष्य में यदि किसी अवैध निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण सील करने के पश्चात भी निर्माण कार्य गतिमान रखा गया तो उसके विरुद्ध संबन्धित थाने में एफआईआर दर्ज कराये जाने की कार्यवाही वीडीए द्वारा की जायेगी।

सहारनपुर एसएसपी अभिनंदन सिंह ने विश्वास जताते हुए धर्मेन्द्र कुमार को गागलहेडी थानाध्यक्ष बनाया

राजीव चौधरी

सहारनपुरवाराणसी(वेलकम इंडिया)। गागलहेडी थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार अपराधियों के लिए कहर तो पीड़ितों के मसीहा के रूप में भी पहचाने जाते। गागलहेडी थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार जनपद सहारनपुर के कई थानों में अपनी सेवा दे चुके हैं। गागलहेडी थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमारअपनी बेहतरीन कार्य प्रणाली से कई शातिर इनामी बदमाशों को उनके अंजाम तक पहुंचा चुके हैं। मेहनत योग्यता कार्यकुशलता के दम पर कार्य करने वाले गागलहेडी थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार पुलिस महकमें में अपनी अलग ही पहचान

के लिये जाने जाते हैं। पीड़ितों के लिये मसीहा तो अपराधियों के लिए कहर है तो वही पुलिस विभाग हो या फिर जनता मे अपनी बेहतरीन कार्यशैली के लिए मशहूर जाने जाते हैं इनका पूर्व का कार्यकाल बताता है कि उन्होंने पुलिस के गौरव को बढ़ाने के साथ साथ जनता में अपनी अलग खास पहचान कायम की है कही भी रहें हो अपनी कार्यकुशलता का लौहा बनवाया है। गागलहेडी थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार व्यवहार कुशलता व बेहतरीन कार्यप्रणाली के धनी होने के साथ पुलिस विभाग में अपनी अलग ही पहचान रखते है। गागलहेडी थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार ने अपने उच्चाधिकारियों के मार्ग निर्देशन मे बेहतर पुलिसिंग का नमूना पेश करते रहें हैं। धर्मेन्द्र कुमार अपनी तैनाती में हर जगह अपनी सेवाओ के दौरान जनता के दिलो पर छाप छोड़ी तथा अपने उच्चाधिकारियों के मार्गनिर्देशन मे उन्होंने एक से बढ़ कर एक गुड वर्क कार्य किये तथा कानून व्यवस्था को चाक चौबंद एवं मजबूत बनाकर रखा इनका कार्यकाल सराहनीय सेवाओ के साथ निर्विवाद रहा है। गागलहेडी थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार का कहना है कि जनता के साथ यदि पुलिस के सम्बंध अच्छे होंगे तो फिर बेहतर कार्य देखने को मिलेगें क्योंकि जनता का साथ और विश्वास पुलिस की सबसे मजबूत आधार होता हैं,छोटी से छोटी सुचना पुलिस के लिए अकसर उपयोगी होती है।

सेंट जॉन्स मढ़ौली एलुमनाई एसोसिएशन की बैठक में नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चयन

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। सेंट जॉन्स मढ़ौली एलुमनाई एसोसिएशन की साधारण सभा की बैठक कचहरी स्थित दी बनारस क्लब लिमिटेड के सभागार में आयोजित हुई। अध्यक्ष अमित लखमानी ने अतिथियों का स्वागत किया उन्होंने वर्ष 2025-2026 के क्रिया- कलायों का विवरण प्रस्तुत किया एवं वर्ष पर्यन्त सदस्यों द्वारा संगठन में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

वार्षिक रिपोर्ट सचिव वैभव अग्रवाल ने प्रस्तुत की,कोषाध्यक्ष अमित मोदी ने आय-व्यय का वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया। चुनाव अधिकारी सचिन अग्रवाल एवं मोहित मेहरा ने वर्ष 2026-2027 के लिए संचालक मंडल का चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न कराते हुए पुनीत कपूर को अध्यक्ष,विजय पेशवानी को उपाध्यक्ष, सिद्धांत सिंह को सचिव,वैभव अग्रवाल को कोषाध्यक्ष एवं कुलदीप सिंह को संयुक्त-सचिव के पद पर चुना गया। संस्थापक अध्यक्ष एवं संरक्षक रोहित कपूर ने एसोसिएशन के विस्तार और अब तक के किए कार्यों पर संतोष जताया और पुरातन छात्रों को संगठन से जोड़ने पर बल दिया।

संरक्षक वैभव कपूर ने संस्था में पारिवारिक माहौल बरकरार रखने पर जोर दिया व संरक्षक मनीष माहेश्वरी ने संस्था के उद्देश्य को हर-दम ध्यान में रखने पर बल दिया। इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य एवं संस्था के मुख्य संरक्षक फादर सुसाइ राज विशेष रूप से उपस्थित थे उन्होंने सभी सदस्यों को अपने आशीषवचन में संबोधित करते हुए पूर्व छात्रों के प्रयासों की तारीफ की और कहा कि इनकी उपलब्धियों से स्कूल भी गौरवान्वित होता रहा है उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामना देते हुए समाज के लिए बढ़-चढ़कर कार्य करने का सुझाव दिया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष पुनीत कपूर ने अपने प्रथम अध्यक्षीय संबोधन में अपने कार्यकाल के कार्यक्रमों की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की।

बुलंदशहर में गंगा एक्सप्रेसवे का भव्य लोकार्पण हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

विकसित भारत के लक्ष्य में विकसित उत्तर प्रदेश की मजबूत भागीदारी करेगा गंगा एक्सप्रेसवे

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। बुलंदशहर जिले के स्याना तहसील अंतर्गत ग्राम लाडपुर में गंगा एक्सप्रेसवे के भव्य लोकार्पण का कार्यक्रम बड़ी भव्यता से सम्पन्न हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में हरदोई जिले से वर्चुअल माध्यम से इस 594 किलोमीटर लंबे मेगा प्रोजेक्ट का उद्घाटन करने के साथ ही लाडपुर में लगी बड़ी एलईडी स्क्रीन पर लाइव प्रसारण के जरिए पूरा कार्यक्रम देखा गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ०प्र० शासन एवं जिला प्रभारी मंत्री डॉ अरुण कुमार एवं उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि एवं समस्त जनप्रतिनिधियों द्वारा कार्यक्रम स्थल पर की गई व्यवस्थाओं के लिए डीएम-एसएसपी की प्रशंसा की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं जिला प्रभारी मंत्री डॉ अरुण कुमार, जिला पंचायत अध्यक्षा डॉ0 अंतुल तेवतिया, जिलाधिकारी कुमार हर्ष, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सुश्री निशा ग्रेवाल, मा0 विधायक लक्ष्मीराज सिंह देवेंद्र सिंह लोधी मीनाक्षी सिंह, जिला अध्यक्ष भाजपा विकास चौहान व अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) प्रमोद कुमार पांडेय एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारीगण और भारी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। डीएम श्री कुमार हर्ष एवं अन्य अधिकारियों ने राज्य मंत्री डॉ अरुण कुमार एवं अन्य सभी जनप्रतिनिधियों को अंगवस्त्र देकर स्मृति चिन्ह भेंट किया।

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री डॉ अरुण कुमार ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए माननीय प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में बहुत कम समय में यह कार्य पूर्ण हुआ। उन्होंने कहा कि यह गंगा एक्सप्रेसवे केवल एक रास्ता नहीं है, बल्कि पूर्व-पश्चिम को जोड़ने का सबसे अच्छा माध्यम है। यह भाईचारा बढ़ाने का, व्यापार बढ़ाने का तथा किसान भाइयों की उन्नति का नया रास्ता खोलने

वाला माध्यम है। इतना ही नहीं, यह हमारे युवाओं के लिए रोजगार का भी एक बड़ा साधन बनेगा। एक्सप्रेसवे के आस-पास रहने वाले सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी ने जिसकी उम्मीद जताई है, हम सब मिलकर इसे हरा-भरा बनाने का कार्य करें। प्यार, सम्मान और पेड़-पौधों से इसे सजाने का काम करें, ताकि प्रकृति को लाभ हो, हमें लाभ हो और आने वाली पीढ़ी को भी इसका पूरा लाभ मिले। गंगा एक्सप्रेस वे के आसपास लगभग 500 हेक्टेयर में 5 लाख 50 हजार पौधों का वृक्षारोपण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने बुलंदशहर जनपद को गंगा एक्सप्रेसवे की अनमोल सौगात दी है। यह रोड न केवल किसानों और व्यापारियों के लिए वरदान है, बल्कि यहां इंडस्ट्री कॉरिडोर भी विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने 12 वर्षों में देश की तकदीर बदल दी। योगी जी के आने के बाद उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था सुदृढ़ हुई है और विकास की बयार चल पड़ी। कहा कि अब किसानों की सब्जी, फल देश के कोने-कोने में पहुंच जाएंगे, माल खराब होने की समस्या खत्म हो जाएगी। बुलंदशहर जिले को इस एक्सप्रेसवे से अपार लाभ मिलेगा।

गंगा एक्सप्रेसवे स्याना विधानसभा क्षेत्र और पूरे बुलंदशहर जनपद के लिए सौगात है। यह हमारे क्षेत्र का नाम भारत के विकास मानचित्र पर स्वर्ण अक्षरों में लिखवाने का काम करेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का हृदय से धन्यवाद देते हुए कहा कि पहले यह क्षेत्र पिछड़ा हुआ था, सड़कें अच्छी नहीं थी, लेकिन अब सड़कें, पुल, बिजली, थाना, अग्निशमन केंद्र, स्कूल और बड़े-बड़े विकास कार्य हो रहे हैं। मा मंत्री जी ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे बुलंदशहर को चार चांद लगा देगा।

जिला पंचायत अध्यक्षा डॉ0 अंतुल तेवतिया ने अपने संबोधन में कहा, '594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे की लागत लगभग 37 हजार करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेसवे पूरब से पश्चिम को जोड़ने का माध्यम बनेगा, दूरी को कम करेगा और सामाजिक समरसता का संदेश देगा। इस परियोजना से क्षेत्र की प्रतिभाएं राष्ट्र और प्रदेश का नाम रोशन करेंगी। अध्यक्षा जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 60 से अधिक एक्सप्रेसवे बन रहे हैं और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में विकसित उत्तर प्रदेश की मजबूत भागीदारी होगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने जाति-धर्म और संप्रदाय से ऊपर उठकर विकास कार्य किए। सरकार ने किसानों का कर्ज माफ किया और सोलर नलकूप स्थापित किए। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों के हित में बंद चीनी मिलों को पुनर्जीवित किया गया, मिलें चालू की गईं और मिलों को प्रोत्साहन दिया गया। गन्ना भुगतान समय पर किया गया, कानून-व्यवस्था में सुधार, आवास, दिव्यांग पेंशन वृद्धि, मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय की स्थापना, पदक विजेता खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी एवं पुरस्कार तथा प्रदेश में करोड़ों पर्यटकों के आने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि, यह गंगा एक्सप्रेसवे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को पूर्वी उत्तर प्रदेश से जोड़ने वाला ऐतिहासिक कार्य है। अब हम मात्र 05 से 06 घंटे में प्रयागराज के संगम पहुंच सकेंगे, जहां पहले कई घंटे लगते थे।

उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में यह कार्य शीघ्र पूरा हुआ। गंगा एक्सप्रेसवे बुलंदशहर जनपद के लिए एक ऐतिहासिक उपहार है। उन्होंने कहा यह एक्सप्रेसवे न केवल यातायात को तेज करेगा बल्कि बुलंदशहर में औद्योगिक विकास और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा।

जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने उपस्थिति सभी जनप्रतिनिधियों एवं आमजन का आभार प्रकट किया। उन्होंने मुख्य अतिथि मंत्री डॉ अरुण कुमार सभी जनप्रतिनिधियों, समस्त प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय जनता का हार्दिक धन्यवाद दिया। डीएम ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा, व्यवस्था और स्वच्छता के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। बताया कि कार्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुआ। गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक 594 किलोमीटर लंबा 6 लेन का ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 37,000 करोड़ रुपये है। यह 12 जिलों मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज को जोड़ेगा। कार्यक्रम स्थल पर 5000 से अधिक स्थानीय नागरिक, किसान, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, स्वच्छता, सुरक्षा, पार्किंग और बिजली की पुख्ता व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारीगण सहित स्थानीय नागरिक, किसान, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मामा को घर छोड़ने जा रहे व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत, परिवार में मचा कोहराम

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहाँगीराबाद। कोतवाली क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियाँ छीन लीं। जहाँगीराबाद कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत बुलंदशहर-अनूपशहर रोड पर विवियाना मोड़ के पास मंगलवार दोपहर एक कार और बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की जान चली गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है।

जानकारी के अनुसार गाँव जसर निवासी श्यौदान सिंह (50) अपने मामा बुधपाल निवासी गाँव अंधियार को बाइक पर बैठाकर उनके गाँव छोड़ने जा रहा था। जैसे ही वह विवियाना मोड़ के पास पहुँचा, पीछे से आ रही एक अनियंत्रित कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

दुर्घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची और दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) जहाँगीराबाद पहुँचाया। श्यौदान सिंह की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार देने के पश्चात जिला अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन दुर्भाग्यवश वहाँ पहुँचने पर डॉक्टरों ने श्यौदान को मृत घोषित कर दिया। वहीं श्यौदान के मामा का उपचार जारी है।

मृतक श्यौदान जहाँगीराबाद के भईपुर दोराहे पर 'खेराद मिस्त्री' की दुकान चलाता था। जैसे ही श्यौदान की मृत्यु की खबर गाँव और दुकान पर पहुँची तो परिजनों और परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई। कोतवाली प्रभारी सुदेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटनाग्रस्त कार को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

भ्रष्टाचार की फाइलें खोलेंगे किसान, भाकियू भानू की 1 मई को महापंचायत, होगा डीपीआरओ कार्यालय का घेराव

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जिले के प्रशासनिक तंत्र और बेलगाम हो चुके अधिकारियों के खिलाफ भारतीय किसान यूनियन भानू ने सीधी जंग का ऐलान कर दिया है। आगामी 1 मई 2026, शुक्रवार को मंडी परिषद स्थित कृषक विश्रामगृह में जिला अध्यक्ष भजनलाल क्रोधी की अध्यक्षता में एक विशाल जिला स्तरीय मासिक पंचायत का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन भानू के तहसील मीडिया प्रभारी सबलू खान ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पंचायत का मुख्य एजेंडा भ्रष्टाचार के केंद्र बने जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय के घेराव की तिथि और रणनीति निर्धारित करना है। संगठन के जिला अध्यक्ष भजन लाल किरोधी ने कड़े शब्दों में कहा कि जिले में बैठे डीपीआरओ पूरी तरह भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। ग्राम पंचायतों में हो रही लूट और धांधली की तमाम शिकायतें कार्यालय में धूल फांक रही हैं। आरोप है कि डीपीआरओ इन शिकायतों पर कार्रवाई करने के बजाय उन्हें ठंडे बस्ते में डाल रहे हैं और खुद मलाई काट रहे हैं। जनता की समस्याओं की अनदेखी अब बर्दाश्त की सीमा से बाहर हो चुकी है। भाकियू भानू ने स्पष्ट किया है कि 1 मई की यह पंचायत प्रशासन के लिए अंतिम चेतावनी साबित होगी। इस बैठक में जिले भर के कार्यकर्ता और पदाधिकारी एकजुट होकर यह तय करेंगे कि किस दिन और किस समय भारी संख्या में किसान डीपीआरओ कार्यालय का घेराव करेंगे। संगठन का लक्ष्य केवल विरोध जताना नहीं, बल्कि सिस्टम में बैठे भ्रष्ट कारिंदों की जवाबदेही तय करना है।भजन लाल किरोधी ने तीखे लहजे में प्रशासन को चेताया है कि किसानों का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'जिम्मेदार अधिकारी कान खोलकर सुन लें, किसानों के सब्र का बांध टूट चुका है। 1 तारीख को रणनीति तैयार होते ही हम सड़कों पर उतरेंगे और घेराव के जरिए भ्रष्ट अधिकारियों की कुर्सी हिला देंगे। इस रणनीतिक महापंचायत में सभी पदाधिकारियों और सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है।

बालू के दबाव से भरभरा कर गिरी दीवार, बाल-बाल बचे लोग, मकानों को भारी नुकसान

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। नगर के मोहल्ला रामा गंज में बुधवार की सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक खाली प्लॉट की ऊंची दीवार अचानक भरभरा कर पड़ोस के मकानों पर जा गिरी। गनीमत रही कि हादसे के वक्त दीवार के पास कोई मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ा जानी नुकसान होने से टल गया। हालांकि, इस मलबे की चपेट में आने से घरों और बाहर खड़े वाहनों को काफी क्षति पहुंची है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, मोहल्ले में स्थित एक खाली प्लॉट में दीवार के सहारे भारी मात्रा में बालू (रेत) एकत्र किया गया था। बताया जा रहा है कि बालू के अत्यधिक दबाव और चल रही तेज हवाओं के कारण दीवार अपनी मजबूती खो बैठी और अचानक पड़ोस के मकानों की ओर ढह गई। दीवार का मलबा सीधे पड़ोस के घरों की छतों और दीवारों पर गिरा, जिससे पड़ोस के मकानों के हिस्सों में दरारें आ गईं और काफी नुकसान हुआ साथ ही मकानों के आगे गली में खड़े दोपहिया वाहन भी मलबे की चपेट में आ गए। तेज आवाज सुनकर जब तक लोग बाहर आए, तब तक मकान व वाहन क्षतिग्रस्त हो चुके थे। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि अचानक एक जोरदार धमाके जैसी आवाज हुई। बाहर आकर देखा तो पूरी दीवार गिरी पड़ी थी। शुक्र है कि उस समय गली में कोई बच्चा खेल नहीं रहा था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद मोहल्ले में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पीड़ित मकान स्वामियों ने प्लॉट मालिक की लापरवाही पर नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि कमजोर दीवार के सहारे रेत का ढेर लगाना सीधे तौर पर सुरक्षा से खिलवाड़ है।

पत्नी के हत्यारे पति को पुलिस ने भेजा जेल

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। स्थानीय पुलिस ने चैकिंग के दौरान किया हत्यारे को गिरफ्तार। जानकारी के अनुसार थाना नरसेना पुलिस ने यूनिसपुर के बीच राजबाहे के पास यात्री शैड के पास चैकिंग कर रही थी तथी एक व्यक्ति आता दिखाई दिया जो पुलिस को देखकर दबे पांव चलने लगा।

पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर उसे पकड लिया। पूछताछ करने पर अपना नाम कृष्ण कुमार पुत्र जगत सिंह निवासी फरीदा बांगर चौकी बुगरासी बताया।

पुलिस के अनुसार कृष्ण कुमार वही व्यक्ति है जिसने चार दिन पहले शराब के नशे में अपनी पत्नी के उपर पैट्रोल छिडक कर आग लगा दी थी।

दिल्ली अस्पताल में इलाज चल रहा था। 28 अप्रैल को उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया।

पुलिस ने उस शराबी व्यक्ति कृष्ण कुमार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया है।

ट्रिपल मर्डर केस में दो हत्या आरोपी मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

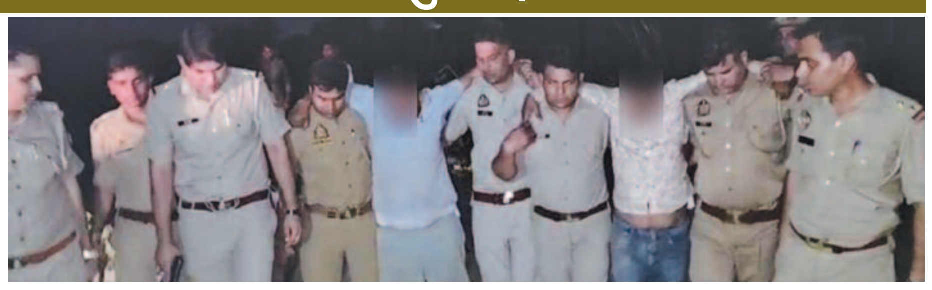

खुर्जा/बुलंदशहर। खुर्जा के ट्रिपल मर्डर केस में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ 50-50 हजार के इनामी दो शातिर बदमाश पुलिस की गोली से घायल इलाके में सनसनी खुर्जा में हुए सनसनीखेज ट्रिपल मर्डर केस में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। खुर्जा नगर पुलिस और स्वाट टीम की मुंडाखेड़ा नहर के पास बदमाशों से आमना-सामना हो गया।मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में 50-50 हजार के इनामी आरोपी रिंकू सैनी और भारत सैनी घायल हो गए। दोनों वही शातिर अपराधी हैं जो जिम में बर्थडे पार्टी के दौरान हुए ट्रिपल मर्डर में शामिल थे।पुलिस आरोपियों को लेकर डीबीआर की बरामदगी के लिए गई थी, तभी बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश जिंदा पकड़े गए लेकिन गोली लगने से घायल हो गए।मौके से पुलिस ने अवैध पिस्टल, तमंचा, जिंदा कारतूस और खोखा कारतूस के साथ एक डीबीआर भी बरामद की है। इस पूरे मामले में डीआईजी कलानिधि नैथानी ने दोनों आरोपियों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है, जहां कड़ी पुलिस निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। अभी अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है पुलिस जिन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

नौकरी करने जा रहे युवक की ट्रेन से गिरकर मौत

संदीप तिवारी

मिजार्मुराद(वेलकम इंडिया)। क्षेत्र के बहेड़वा हाल्ट के पास प्लेटफॉर्म पर बुधवार की सुबह वाराणसी से प्रयागराज की तरफ जा रही एक ट्रेन से गेट के पास खड़ा युवक अनियंत्रित होकर गिर गया और उसकी दर्दनाक मौत हो गया।बहेड़वा ग्राम प्रधान संजय कुमार द्वारा घटना की सूचना 112 नंबर पुलिस के साथ रेलवे जीआरपी को दिया गया।युवक के जेब में मिले मोबाइल के जरिये युवक की पहचान सोनभद्र जिले के म्योरपुर थाना क्षेत्र के रामपहरी निवासी लवकुश उम्र (22) वर्ष पुत्र ज्ञानचंद के रूप में रूप में हुआ।घटना के बाद मौके पर पहुंची मिजार्मुराद पुलिस जीआरपी रेलवे का इंतजार करती रही करीब घटना के दो घंटे बीतने के बाद मौके पर पहुंचे जीआरपी रेलवे चौकी प्रभारी माधवसिंह धर्मेन्द्र यादव ने मृतक के शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया।वही घटना की सूचना मृतक के परिजन को दी। मृतक अपने पिता के चार संतानों में इकलौता पुत्र था। परिजनों ने बताया कि युवक नौकरी करने के लिए देर रात मंगलवार को मुंबई जाने के लिए निकला था उसके साथ गांव के अन्य तीन दोस्त भी थे। मृतक के पिता ज्ञानचंद राजगीर मिस्त्री बताए गए।घटना की सूचना मिलते ही घर से वाराणसी के लिए निकले पड़े। खजुरी चौकी प्रभारी गणेश पटेल ने बताया कि जीआरपी पुलिस शव कब्जे में लेकर जांच–पड़ताल में जुट गई है।

शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

संदीप तिवारी

वाराणसी मिजार्मुराद(वेलकम इंडिया)। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज चोलापुर वाराणसी में मंगलवार को नए सत्र आरंभ में विद्यालय प्रबंध एवं विकास समिति का पुनर्गठन हुआ, जिसमें नए सदस्यों का चुनाव हुआ। इसके अतिरिक्त माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड परीक्षा 2026 में विद्यालय में उच्च स्थान प्राप्त छात्राओं का सम्मान विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. अनिता गिरि एवं छात्राओं के अभिभावकों के द्वारा किया गया साथ ही विद्यालय की वार्षिक गतिविधियों एवं उपलब्धियों तथा कार्ययोजना की संक्षिप्त आख्या प्रधानाचार्या के द्वारा अभिभावकों के समक्ष प्रस्तुत की गई। ग्राम प्रधान एवं एस.एम.डी.सी. सदस्यों की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन रंजना दूबे के द्वारा किया गया। यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 में कक्षा 12 की छात्रा सृष्टि प्रथम स्थान पर, दीपिका द्वितीय तथा मानसी तृतीय स्थान पर रही। वहीं हाई स्कूल की परीक्षा में प्रीति पटेल एवं इशरत प्रथम स्थान, करिश्मा द्वितीय स्थान और तृतीय स्थान पर रोशनी शर्मा तथा उन्नति तिवारी रहीं ।इस अवसर पर ग्राम प्रधान सहित सरिता, चंद्रिका, अंजू यादव, नंदिता यादव, आरती कुमारी, डॉ. रीता राय, रंजना दुबे, डॉ. विशालाक्षी देवी, अर्चना चौबे,अनुरमा शास्त्री, प्रशस्ति मिश्रा, अनामिका, वंदना, अभिषेक सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहे।

इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती, युवती को लेकर फरार युवक की तलाश में पुलिस दबिश

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। सहारनपुर जनपद के थाना नकुड़ क्षेत्र की एक युवती को बहला–फुसलाकर ले जाने के मामले में सहारनपुर पुलिस ने बुधवार को मआरोपी युवक के घर दबिश दी। हालांकि आरोपी घर पर नहीं मिला और मकान पर ताला लटका होने के कारण पुलिस को वापस लौट गई ।बुधवार को थाना नकुड़ में तैनात महिला उपनिरीक्षक मनवीरी सिंह पुलिस टीम के साथ थाने पहुंचीं और स्थानीय पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार थाना नकुड़ क्षेत्र के गांव खेड़ा अफगान निवासी एक युवती की इंस्टाग्राम और फेसबुक के माध्यम से थाना क्षेत्र के शिवाला मार्ग निवासी आमिर से दोस्ती हो गई थी। बातचीत बढ़ने के बाद आरोपी युवक युवती को अपने साथ ले गया ।परिजनों का आरोप है कि विगत 20 अप्रैल को युवती घर से लाखों रुपये की नकदी और जेवरात लेकर आरोपी के साथ फरार हो गई। मामले में परिजनों की तहरीर पर थाना नकुड़ में मुकदमा दर्ज कराया गया। थाना नकुड पुलिस ने स्थानीय पुलिस को साथ लेकर आरोपी युवक के घर पर दबिश दी, लेकिन मकान बंद मिला और दरवाजों पर ताला लटका हुआ था। आरोपी के नहीं मिलने पर पुलिस वापस लौट गई। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि नकुड पुलिस आरोपी युवक व युवती की तलाश में पहुंची थी दोनों नहीं मिलने पर वापस लौट गई है।

हत्या के प्रयास में वांछित एक गिरफ्तार

संदीप तिवारी

मिजार्मुराद(वेलकम इंडिया)। मिजार्मुराद पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सोमवार को रखौना बस स्टैंड के पास से हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिखा पढ़ी के बाद मंगलवार को जेल भेज दिया। मिजार्मुराद थाना प्रभारी प्रमोद कुमार पांडेय ने बताया कि बीते 23 अप्रैल की रात दवा लेकर बाजार से घर जा रहे मेंहदीगंज सैदा निवासी वृद्ध लक्ष्मण पटेल को गांव के ही कुछ लोग रास्ते में रोकर गाली-गलौज देने के बाद सिर पर फावड़े से हमला कर घायल कर दिया था ।वृद्ध के परिजनों द्वारा गम्भीर हालत में वृद्ध को अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। वृद्ध के पुत्र सुरेन्द्र की तहरीर पर चार के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों के तलाश में लगी थी की सोमवार की दोपहर में मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मेंहदीगंज गांव (मिजार्मुराद) निवासी श्यामदुलार यादव उर्फ कल्लू यादव को रखौना बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार कर फावड़ा बरामद कर लिया ।गिरफ्तार श्यामदुलार को पुलिस ने लिखा पढ़ी के बाद मंगलवार को जेल भेज दी ।गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीम में थाना प्रभारी प्रमोद कुमार पांडेय, खजुरी चौकी प्रभारी गणेश पटेल व एसआई अविनाश कुमार सिंह रहे।

भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ताओं द्वारा महिला जन आक्रोश सम्मेलन का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा क्षेत्र मोदीनगर के निष्ठावान कार्यकर्ताओं द्वारा महिला जन आक्रोश सम्मेलन का आयोजन छतरी वाला शिव मंदिर में किया गया। इसमें मुख्य वक्ता विधायक मोदीनगर डॉ मंजू सिवाच रहीं ।कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रिंसिपल गिन्नी देवी गर्ल्स कॉलेज डॉ रीता बक्शी ने की। अतिथि संगीता शर्मा प्रिंसिपल पीबीएएस कन्या इंटर कॉलेज , वर्षा गुप्ता, साधना शर्मा, अपराजिता सिंह, स्तुति गुप्ता, दीपा वर्मा आदि उपस्थित रहें। कार्यक्रम का सफल संचालन गीता कौशिक ने किया। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला

अध्यक्ष सत्यवीर राघव, डॉ पवन सिंघल, सत्येंद्र त्यागी, नीरज त्यागी, अशोक महेश्वरी, पं राम आसरे शर्मा, सुभाष सांगवान, प्रदीप बोस, टेंमपाल पवांर, महेश तायल, रोहित अग्रवाल विजय वाल्मीकि दीपक वत्स, नितिन जिंदल आदि ने भी अपने विचार रखें। सभी ने संसद में पेश हुए महिला वंदन अधिनियम बिल के पास ना होने पर विपक्ष के प्रति अपनी नाराजगी जताई साथ ही साथ कई महिला वक्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी में भी नवगठित जिला कार्यकारिणी में जिलापदाधिकारियों व कुछ बाहर से आए पदाधिकारी द्वारा महिलाओं के विषय में अपमानजनक शब्द प्रयोग करने पर भी अपनी नाराजगी जताते हुए कहा कि उन लोगों ने दूसरी पार्टियों से भाजपा में आकर अपना चोला तो बदल लिया। परंतु उनकी मानसिकता आज भी वही है और अगर जिला पदाधिकारियों द्वारा महिलाओं के बारे अशोभनीय भाषा पर सार्वजानिक माफी नहीं मांगी तो उनके खिलाफ सड़कों पर उतर कर जवाब दिया जाएगा ये मोदी जी और योगी जी की पार्टी हैं महिलाओं के खिलाफ बोलने वाले बक्से नहीं जाएंगे ' सैकड़ो कार्यकताओं ने एक स्वर में नारी के सम्मान में अब चुप न बैठने का संकल्प लिया और भाजपा को आगामी 2027 के चुनाव में और मजबूत करने का वचन दिया।

मोदीनगर में गिरीश मथुरिया सेन का तूफानी दौरा, गांव-गांव जनसंपर्क तेज

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के भावी प्रत्याशी गिरीश मथुरिया सेन ने क्षेत्र के कई गांवों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने पतला, निवाड़ी, मऊ, पूठड़ी, भवी और खिंदौड़ा समेत विभिन्न गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया और उनकी समस्याएं सुनीं। दौरे के दौरान गिरीश मथुरिया सेन ने विकास, रोजगार, शिक्षा और मूलभूत सुविधाओं को लेकर ग्रामीणों से चर्चा की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान ग्रामीणों ने उनका स्वागत करते

हुए क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं से अवगत कराया। इस जनसंपर्क अभियान में अजय सैन, अरुण कुमार सैन, सुनील नगर, सागर यादव, मदन जाट, सचिन शर्मा, शमी बाल्मीकि, रामफूल रोहिला, बीबी सैन, अमर दीप नगर, फिरोज और फारूक खान सहित कई स्थानीय कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। गांव-गांव जाकर किया गया यह दौरा आगामी चुनावों के मद्देनजर अहम माना जा रहा है, जिससे पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

निःशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग एवं फुल बॉडी चेकअप शिविर 30 अप्रैल को

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। जनस्वास्थ्य के प्रति गंभीर पहल करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मोदीनगर में 30 अप्रैल को एक महत्वपूर्ण निःशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग एवं फुल बॉडी चेकअप शिविर का आयोजन किया जा रहा है। चिकित्सा अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि यह विशेष शिविर युवराज फाउंडेशन द्वारा संचालित आधुनिक मोबाइल मेडिकल वैन के माध्यम से आयोजित होगा ।यह स्वास्थ्य शिविर प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा अत्याधुनिक तकनीकों से जांच की जाएगी। शिविर की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें विशेष रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए स्तन (चेस्ट) एवं गर्भाशय से संबंधित गांठों और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की प्रारंभिक जांच की जाएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में

छिपी अन्य गंभीर बीमारियों की भी समय रहते पहचान संभव होगी। विशेषज्ञों के अनुसार, कैंसर जैसी बीमारियों में समय पर पहचान ही सबसे बड़ा बचाव है। यह शिविर आमजन के लिए एक सुनहरा अवसर है, जिससे वे बिना किसी खर्च के अपनी जांच कराकर संभावित खतरों से बच सकते हैं। चिकित्सा अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर ने क्षेत्र के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने परिवार, विशेषकर महिलाओं को भी जांच के लिए अवश्य लाएं। स्वस्थ समाज ही सशक्त राष्ट्र की पहचान है।

छाया पब्लिक स्कूल मे विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

साईबर क्राईम से बचना है तो छात्र व छात्राएं बिना सोचें समझे सोशल मीडिया पर किसी को अपना ना बनाये

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर माननीय जिला जज विनोद कुमार रावत अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के नियंत्रण नेहा बहनोडिया सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के आदेश पर छाया पब्लिक स्कुल मे शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता नायब तहसीलदार मोदीनगर मुकेश शर्मा द्वारा की गई।

सचांलन डॉक्टर अरूण त्यागी द्वारा किया गया। डिफरेन्स कान्सलर विचित्र द्वारा बताया गया कि छात्र व छात्राओं को मोबाईल पर अपने फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिक टॉक, सिनेपचैट, एआई पर अपने निजी फोटो व विडियो न डाले। कमल सिंह उपाध्याय द्वारा बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के बारे मे पूर्ण जानकारी देते हुए बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत जिला विधिक

सेवा प्राधिकरण द्वारा लगायी जाती है। इसमे आपसी सहमति से वादो का निस्तारण किया जाता है पैनल अधिवक्ता संजय मुदगल द्वारा बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा गरीबी से नीचे जीवन ज्ञापन करने वाले व्यक्तियों को निशुल्क कानूनी सलाह व मुकदमा लडने के लिए निशुल्क पैनल अधिवक्ता मिलते है । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महिलाओ और बच्चे व विकलांग व्यक्ति, कैदी और बंदी व वृद्ध व असहाय व्यक्ति अनुसूचित जाति व अनुसूचित जन जाति के सदस्य प्राकृतिक आपदा से प्रभावित व्यक्ति व विदेशी नागरिक निशुल्क कानूनी सलाह व पैनल अधिवक्ता ले सकते है।

छात्र व छात्राओं को कोइ भी परेशानी होती है तो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के टोल फ्री नम्बर 15100 पर कॉल करके अपनी परेशानी बता सकते है। शिविर मे डिफरेंन्स कान्सलर आन्नद प्रकाश सिह, कानूगो मुकेश गिरी, डॉ अरुण त्यागी, अर्चना शर्मा, मोनिका त्यागी, नैना शर्मा, पैनल अधिवक्ता संजय मुदगल पैरा लीगल वोलिन्टर जयाश्री कश्यल, जया कश्यप, राहुल, नीलम वर्मा, उमंग किशोर आदि उपस्थित रहे।

कादराबाद में टीबी जांच शिविर का सफल आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। आयुष्मान आरोग्य मंदिर कादराबाद में क्षय,(टीबी) की जांच हेतु एक विशेष स्वास्थ शिविर आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य क्षेत्र वासियों को टीबी मुक्त करना रहा ।

शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया ।आधुनिक जांच सुविधाओं के माध्यम से मरीजों की स्क्रीनिंग की गई ।इस सफल आयोजन में चिकित्सा विभाग की टीम व स्थानीय नागरिकों का योगदान विशेष रहा।

इस मौके पर डॉ राकेश कुमार, डॉ देव राणा, डॉ दिनेश कुमार, सोनू भारती, सभासद संदीप सांगवान कादराबाद, सुमन चौधरी राष्ट्रीय लोकदल महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष, आदि लोग उपस्थित रहे।

महिलाओं को झांसा देकर आभूषण ठगने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। थाना क्षेत्र में बुजुर्ग महिलाओं को झांसा देकर आभूषण ठगने वाले एक गिरोह का पदार्फाश हुआ है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से सोने की चेन, दो कुंडल, दो झुमके और 2100 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार,सोंदा रोड निवासी सत्येंद्र नेहरा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात व्यक्तियों ने उनकी माता जी को झांसा देकर उनके कानों के कुंडल ठग लिए थे।

इसके बाद थाना मोदीनगर में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई ।जांच के दौरान, 28 अप्रैल 2026 को मोदीनगर पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिल्ली के शिव विहार कला, थाना कंझावला निवासी भीम पुत्र रामलाल, गाजियाबाद के लोनी सभापुर

अंजलि विहार, थाना अंकुर विहार निवासी राजू सोलंकी पुत्र रमेश सोलंकी और प्रवीण कुमार पुत्र किशन के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर भीड़भाड़ वाले इलाकों जैसे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाते थे। वे पहले महिलाओं को बातों में फंसाकर विश्वास में लेते, फिर उन्हें गुमराह कर उनके आभूषण उतरवा लेते थे। जब महिलाएं उन पर पूरी तरह भरोसा कर लेती थीं, तब आरोपी उनके गहने लेकर फरार हो जाते थे ।आरोपियों ने कई वारदातों का खुलासा भी किया है। उन्होंने बताया कि 13 अप्रैल 2026 को उन्होंने मोदीनगर बस स्टैंड के पास एक वृद्ध महिला से कानों के कुंडल 30 मार्च 2026 को क्रॉसिंग रिपब्लिक के तिगड़ी गोल चक्कर के पास बहरामपुर निवासी एक महिला से झुमके और अन्य सामान ठगा गया था। 12 अप्रैल 2026 को मुरादनगर रेलवे स्टेशन शौचालय के पास से भी एक वृद्ध महिला से गले की चेन ठगी गई थी ।एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया है कि मोदीनगर पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है और आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

जीआरपी गाजियाबाद की बड़ी कार्रवाई: 17 किलो गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध विरोधी अभियान के तहत जीआरपी गाजियाबाद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस महानिदेशक रेलवे लखनऊ के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक रेलवे के आदेशानुसार, पुलिस उपाधीक्षक के पर्यवेक्षण में जीआरपी थाना गाजियाबाद टीम ने रेलवे स्टेशन पर चेकिंग के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी प्लेटफॉर्म संख्या 5/6, दिल्ली साइड रेलवे स्टेशन गाजियाबाद पर शाम करीब 4:50 बजे की गई। पकड़े गए आरोपी की पहचान सुमित कुमार (23 वर्ष) निवासी कजरोटा, थाना इगलास, जिला अलीगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 17 किलो अवैध गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1.70 लाख रुपये बताई जा रही है। इस संबंध में थाना जीआरपी गाजियाबाद में मु0अ0सं0 102/26 धारा 8/20 NDPS Act के तहत मामला दर्ज किया गया है। अपराध का तरीका: प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ट्रेन में अटेंडेंट के रूप में कार्य करते हुए बिहार और मध्य प्रदेश से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र तक गांजा की तस्करी करता था।

गाजियाबाद पुलिस का बड़ा एक्शन: 21 शातिर अपराधियों पर कसी नकेल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 21 शातिर अपराधियों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही की गई है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त श्री जे. रविंदर गौड एवं पुलिस उपायुक्त नगर श्री धवल जायसवाल के निदेर्शानुसार की गई। अभियान के दौरान अपराध नियंत्रण को सख्ती से लागू करते हुए 5 अपराधियों पर गैंगस्टर एक्ट, 10 अपराधियों पर गुंडा एक्ट तथा 6 अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोलकर उनकी सतत निगरानी सुनिश्चित की गई। इन सभी अपराधियों के खिलाफ गाजियाबाद समेत विभिन्न जनपदों के थानों में कुल 154 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई

सिहानीगेट एवं विजयनगर थाना क्षेत्रों में सक्रिय 5 अपराधियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई की गई। इनमें एनडीपीएस व चोरी जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं।

हिस्ट्रीशीट खोलकर निगरानी

6 अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोलकर पुलिस ने उनकी गतिविधियों पर नजर रखने की व्यवस्था की है। ये अपराधी विजयनगर, नंदग्राम और वेवसिटी क्षेत्रों से संबंधित हैं और कई मामलों में लिप्त पाए गए हैं।

गुंडा एक्ट के तहत 10 पर शिकंजा

नंदग्राम, विजयनगर और सिहानीगेट थाना क्षेत्रों के 10 शातिर अपराधियों के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई की गई है।

इनमें कई अपराधी पहले से ही आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ इस प्रकार की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, जिससे शहर में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सके।

फायर ऑडिट अब विकल्प नहीं, जरूरत है' – लखनऊ में सिविल डिफेंस प्रशिक्षण में बड़ा संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। केंद्रीय नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ में सिविल डिफेंस के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए आयोजित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन सहायक उपनियंत्रक योगेश कुमार द्वारा किया गया, जिसमें गाजियाबाद, आगरा, आंबेडकर नगर, प्रयागराज व लखनऊ सहित विभिन्न जनपदों के अधिकारियों के साथ शिक्षा विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों की सक्रिय भागीदारी रही। गाजियाबाद से स्टाफ ऑफिसर टू चीफ वार्डन राजेंद्र शर्मा, स्टाफ ऑफिसर श्रीमती ज्योति

गुप्ता, घटना नियंत्रण अधिकारी मृगांक शर्मा एवं तुषार शर्मा इस प्रशिक्षण में शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान लगातार बढ़ रही आगजनी की घटनाओं पर गहरी चिंता जताई गई। विशेषकर दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में बढ़ते मामलों को देखते हुए मल्टीस्टोरी इमारतों में फायर ऑडिट को अनिवार्य बनाने पर जोर दिया गया। इस दौरान राजेंद्र शर्मा ने कहा कि फायर ऑडिट अब विकल्प नहीं, बल्कि समय की अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। घटना नियंत्रण अधिकारी मृगांक शर्मा एवं तुषार शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद स्थानीय स्तर पर आरडब्ल्यूए (RWA) व एओए (AOA) के साथ बैठक आयोजित कर नियमित मॉक ड्रिल, प्रशिक्षण और फायर सुरक्षा उपकरणों की जांच सुनिश्चित कराई जाएगी। इसके अलावा स्कूली स्तर पर सिविल डिफेंस प्रशिक्षण शुरू करने का सुझाव भी दिया गया, जिससे बच्चों में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की क्षमता विकसित हो सके। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नागरिक सुरक्षा को मजबूत करने और आगजनी जैसी घटनाओं से प्रभावी तरीके से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

वादी संवाद दिवस: 244 फरियादियों से सीधे संवाद कर गाजियाबाद पुलिस ने बढ़ाया भरोसा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस द्वारा प्रत्येक बुधवार की तरह इस सप्ताह भी समस्त थानों पर 'वादी संवाद दिवस' का आयोजन किया गया। यह पहल पुलिस आयुक्त के निर्देशन में जनता को त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण न्याय दिलाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। आज आयोजित वादी संवाद दिवस के तहत विभिन्न थानों पर कुल 244 वादियों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं रखीं और मामलों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। जोनवार आंकड़ों के अनुसार नगर जोन में 87, ट्रांस हिंडन जोन में 49 तथा ग्रामीण जोन में 108 वादी संवाद हेतु उपस्थित

हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वादियों और पुलिस के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है, जिससे विवेचनाधीन मामलों–जैसे एफआईआर, एनसीआर एवं गुमशुदगी–की प्रगति से वादियों को अवगत कराया जा सके। इस दौरान संबंधित विवेचकों ने वादियों के सवालों का तथ्यात्मक एवं संतोषजनक उत्तर

देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया। पुलिस आयुक्त के नेतृत्व में शुरू की गई यह जनसरोकार आधारित पहल न केवल पारदर्शिता बढ़ा रही है।

इंदिरापुरम हाईराइज में भीषण आग, 70 दमकलकर्मियों की जांबाजी से टली बड़ी त्रासदी

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के अभय खंड-2 स्थित गौर ग्रीन एवेन्यू सोसायटी में बुधवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक बहुमंजिला इमारत के 9वें तल पर भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर 10वें और 11वें तल के फ्लैटों को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग के कारण पूरी बिल्डिंग में काला जहरीला धुआं फैल गया, जिससे लोगों में दहशत का माहौल बन गया और कई लोग अपने-अपने फ्लैटों में फंस गए।

सुबह 08:48 बजे फायर स्टेशन वैशाली को मिली सूचना के बाद मुख्य अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में तत्काल दमकल की टीमें मौके के लिए रवाना हुईं। प्रारंभिक स्तर पर ही 5 फायर टैंकर भेजे गए, लेकिन आग की भयावहता को देखते हुए गाजियाबाद जनपद के अन्य फायर स्टेशनों के साथ-साथ गौतमबुद्धनगर से भी अतिरिक्त फायर टेंडर और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म मंगवाए गए।

मौके पर पहुंचते ही दमकल कर्मियों ने स्थिति का आकलन कर तेजी से राहत और बचाव कार्य शुरू किया। सीढ़ियों के रास्ते 9वें तल तक होज पाइप लाइन बिछाई गई और भवन में स्थापित फायर फाइटिंग सिस्टम का उपयोग करते हुए आग बुझाने की कार्रवाई की गई। इसी के साथ दो विशेष टीमों को इमारत में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए लगाया गया।

दमकल विभाग की सूझबूझ और साहसिक कार्रवाई के चलते करीब 10 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके अलावा एक महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति, जो ऑक्सीजन सपोर्ट पर थे, को भी बेहद सावधानी के साथ सीढ़ियों के माध्यम से नीचे उतारा गया। कई फ्लैटों के दरवाजे बंद होने के कारण रेस्क्यू कटर की मदद से उन्हें तोड़कर अंदर फैली आग को बुझाया गया। करीब 2 घंटे तक चले इस कठिन ऑपरेशन में कुल 17 फायर टेंडर/वाटर बाउजर और 2 हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। लगभग 70 दमकलकर्मियों की टीम ने लगातार प्रयास करते हुए आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई के चलते आसपास के करीब 22 फ्लैटों को आग की चपेट में आने से बचा लिया गया, हालांकि कुछ फ्लैटों में धुएं और अत्यधिक ताप के कारण आंशिक नुकसान जरूर हुआ। घटनास्थल पर पुलिस बल, सिविल डिफेंस, मेडिकल टीम, एसडीआरएफ और प्रशासन के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने समन्वय बनाकर राहत एवं बचाव कार्य को सफल बनाया। इस पूरी घटना में सबसे राहत की बात यह रही कि किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। दमकल विभाग की तत्परता, साहस और समन्वित प्रयासों ने एक बड़े हादसे को टाल दिया और कई जिंदगियों को सुरक्षित बचा लिया।

घटनास्थल पर गाजियाबाद के जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ भी पहुंचे और पीड़ितों से मुलाकात कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

नोएडा में बवाल: सेक्टर-44 छलेरा गांव में दो पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले, 11 गिरफ्तार

कपिल चौहान

नोएडा (वेलकम इंडिया)। नोएडा के सेक्टर–44 स्थित छलेरा गांव में उस समय हड़कंप मच गया, जब दो पक्षों के बीच विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। मामूली कहासुनी देखते ही देखते मारपीट में बदल गई और दोनों ओर से जमकर लाठी–डंडे चले। घटना की सूचना मिलते ही नोएडा पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के कुल 11 लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

इस पूरी घटना का वीडियो किसी व्यक्ति द्वारा बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया, जिसके बाद मामला और सुर्खियों में आ गया। पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। यह पूरा मामला सेक्टर 44 नोएडा के अंतर्गत थाना सेक्टर 39 क्षेत्र का बताया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और आगे की जांच जारी है।

गाजियाबाद बार एसोसिएशन की एजीएम सम्पन्न, सम्मान समारोह के साथ नई कार्यकारिणी का गठन

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद अधिवक्ता बार एसोसिएशन (रजिस्टर्ड) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) का आयोजन अन्नपूर्णा भोजनालय, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष राजीव कुमार बग्गा एवं संस्था के अन्य पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

बैठक में महामंत्री प्रदीप पाल ने संस्था की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, वहीं कोषाध्यक्ष संजीव सपरा ने वार्षिक लेखा-जोखा सदन के समक्ष रखा। अध्यक्ष राजीव कुमार बग्गा ने अपने संबोधन में संगठन की उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

इस अवसर पर कार्यकारिणी के पदाधिकारियों–उपाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, महामंत्री प्रदीप पाल, कोषाध्यक्ष संजीव सपरा, संयुक्त सचिव संजय भदौरिया, दुष्यंत चौहान, पंकज शुक्ला, कपिल शर्मा सहित अन्य सदस्यों को सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न समितियों के चेयरमैन दीपक त्यागी, राजीव श्रीवास्तव, वसीम अहमद, अजय शर्मा, रनीश गर्ग, सुनील कुमार, राजन, सुधीर शर्मा, मनोज गुप्ता एवं मदन त्यागी को भी सम्मान प्रतीक प्रदान किए गए।

तदोपरांत चुनाव समिति के सदस्यों दीपक त्यागी, मदन त्यागी, रनीश गर्ग, मनोज गुप्ता एवं सुधीर शर्मा द्वारा चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराते हुए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं की उपस्थिति रही और एजीएम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

कौशांबी बस स्टैंड पर स्वच्छता का संकल्प, गाजियाबाद को नंबर-1 बनाने की पहल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत गाजियाबाद नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन टीम ने वसुंधरा जोन के वार्ड-72 स्थित कौशांबी बस स्टैंड एवं ऑटो स्टैंड पर जागरूकता अभियान चलाया।

इस दौरान नागरिकों को स्वच्छता बनाए रखने और कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने के लिए प्रेरित किया गया। टीम ने लोगों को बताया कि सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलने से क्षेत्र 'रेड स्पॉट' बन सकता है, जिससे शहर की स्वच्छता रैंकिंग प्रभावित होती है। अभियान के दौरान नागरिकों से अपील की गई कि वे स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय सहयोग करें।

नगर निगम ने कहा कि सभी के संयुक्त प्रयास से गाजियाबाद को स्वच्छता में नंबर-1 बनाया जा सकता है। स्थानीय लोगों ने भी स्वच्छ शहर के लिए अपना सहयोग देने का संकल्प लिया।

सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भविष्य: स्कूल में गूंजा सड़क सुरक्षा का संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पुलिस आयुक्त के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शक्ति खंड-2 स्थित कैम्ब्रिज स्कूल में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूली छात्र-छात्राओं को कम उम्र से ही यातायात नियमों के प्रति सजग बनाना और उन्हें जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करना रहा। कार्यक्रम में अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात), सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) एवं यातायात निरीक्षकों ने सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों को सरल भाषा और उदाहरणों के माध्यम से सड़क सुरक्षा के महत्व को समझाया। उन्होंने हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचने तथा ट्रैफिक नियमों का पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान छात्रों को ट्रैफिक साइन की जानकारी दी गई और सड़क पार करते समय जेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करने, मोबाइल फोन से दूरी रखने और अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर होने वाली कानूनी कार्रवाई और चालान प्रक्रिया के बारे में भी अवगत कराया गया। नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने को लेकर भी जागरूक किया गया। अधिकारियों ने बताया कि 18 वर्ष से कम उम्र में वाहन चलाना कानूनन अपराध है, जिस पर भारी जुमार्ना और कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। अभिभावकों से भी इस दिशा में जिम्मेदारी निभाने की अपील की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सुरक्षित यातायात के नियमों का पालन करने और दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों ने अपनी जिज्ञासाएं रखीं, जिनका अधिकारियों ने विस्तार से उत्तर दिया और उन्हें समाज में सड़क सुरक्षा का संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया।

बुजुर्ग महिला को निशाना बनाने वाले टप्पेबाज गिरफ्तार, जेवरात समेत नकदी बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना मोदीनगर पुलिस टीम ने टप्पेबाजी की घटना का सफल अनावरण करते हुए तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पीले धातु की एक चेन, दो कुण्डल, दो झुमके तथा 2100 रुपये नकद बरामद किए हैं।

अखबार के अनुसार, दिनांक 14 अप्रैल 2026 को वादी सतेन्द्र नेहरा निवासी सौन्दा रोड जटवाड़ा बेगमाबाद, मोदीनगर द्वारा थाना मोदीनगर में तहरीर दी गई थी कि अज्ञात व्यक्तियों ने उनकी माता के साथ छल कर कानों के कुण्डल गायब कर लिए। इस पर पुलिस ने तत्काल धारा 318(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। घटना के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीम ने 28 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्त–भीम, राजू सोलंकी और परवीन कुमार–को गिरफ्तार कर लिया। अखबार के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से चोरी गए जेवरात व नकदी बरामद होने पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस द्वारा आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

एसीपी की कड़ी नजर: रिक्रूट आरक्षियों को दी व्यवहार और बीट सिस्टम की सीख, कौशाम्बी-बॉर्डर पर चला सघन चेकिंग अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण पहल के तहत श्री अभिषेक श्रीवास्तव, सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम द्वारा थाना कौशाम्बी पर नियुक्त रिक्रूट आरक्षियों को बीट प्रणाली, शिष्टाचार संवाद नीति तथा उनके दायित्वों के संबंध में विस्तृत रूप से ब्रीफ किया गया। इस दौरान एसीपी ने नवागत आरक्षियों को समझाया कि बीट प्रणाली पुलिसिंग की आधारशिला है, जिसके माध्यम से क्षेत्र में बेहतर निगरानी, त्वरित प्रतिक्रिया और जनता से सीधा संवाद स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि पुलिसकर्मियों का व्यवहार आमजन के प्रति विनम्र, संवेदनशील और सहयोगात्मक होना चाहिए, जिससे जनता का विश्वास पुलिस पर और अधिक मजबूत हो सके।

ब्रीफिंग सत्र के उपरांत एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने थाना कौशाम्बी पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में पैदल गश्त की। इस दौरान ग्राम भोवापुर में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया, जहां संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखते हुए आने-जाने वाले व्यक्तियों एवं वाहनों की गहन जांच की गई। इसके साथ ही बॉर्डर एरिया में भी विशेष चेकिंग अभियान संचालित किया गया, जहां पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों, बाहरी व्यक्तियों तथा संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे लोगों की बारीकी से जांच की गई। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के स्पष्ट निर्देश दिए गए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से इस प्रकार के सघन चेकिंग अभियान एवं पैदल गश्त निरंतर जारी रहेंगे। साथ ही आमजन से भी अपील की गई कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

जाम से राहत, सुरक्षा में बढ़ोतरी: गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस का एक्शन प्लान लागू

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद में यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था/यातायात) की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में यातायात विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

गोष्ठी में आमजन के प्रति शालीन एवं विनम्र व्यवहार सुनिश्चित करने के साथ-साथ सड़कों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के निर्देश दिए गए। बार-बार नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई और संबंधित विभागों के साथ समन्वय बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में 'जीरो फैटेलिटी डिस्ट्रिक्ट (ZFD)' योजना के तहत सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा 'रेड्यूसिंग ट्रैफिक कंजेशन (RTC)' के माध्यम से जाम की समस्या कम करने की रणनीति पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि चिन्हित 8 में से 7 मार्गों पर जाम और यात्रा समय में कमी आई है, जिससे लोगों को राहत मिली है।

आईटीएमएस के जरिए 41 जंक्शनों पर नियम उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। वहीं 500 ट्रैफिक मित्रों की तैनाती का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से 350 का चयन हो चुका है। शहर के प्रमुख स्थानों पर अतिक्रमण हटाने, रूट मार्शल तैनात करने, अवैध कट बंद कराने और बस-ऑटो स्टैंड को व्यवस्थित करने जैसे कई कदम उठाए गए हैं। आगामी शादी सीजन को देखते हुए बैंक्वेट हॉल की पार्किंग व्यवस्था की जांच और ट्रैफिक प्लान तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे नियमित समीक्षा कर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि

सुपोषित गाजियाबाद की शुरूआत: 6 माह में कुपोषित बच्चों को स्वस्थ बनाने का लक्ष्य

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिलाधिकारी श्री रविंद्र कुमार मॉंदड़ की पहल पर 'सुपोषित गाजियाबाद–एक पहल' अभियान का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अति कुपोषित बच्चों को 'आहार से उपचार' मुहिम के माध्यम से आवश्यक पोषण उपलब्ध कराकर उन्हें सुपोषित बनाना है।

विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल ने 50 अति कुपोषित बच्चों को 'संवर्धन-मिलेट पोषण किट' वितरित की। यह कार्यक्रम आहार से उपचार फाउंडेशन नोएडा, रहम फाउंडेशन गाजियाबाद और आईसीडीएस विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि पोषण किट में 8 प्रकार के 'रेडी-टू-ईट' उत्पाद शामिल हैं, जो प्राकृतिक एवं ऑर्गेनिक सामग्री से तैयार किए गए हैं। इनका 6 माह तक नियमित सेवन करने पर बच्चों के स्वास्थ्य में 93 से 95 प्रतिशत तक सुधार संभव है।

उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य कुपोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना, जरूरतमंद परिवारों को सहायता प्रदान करना और एक स्वस्थ एवं सशक्त समाज का निर्माण करना है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. अमिता मोहिन्द्रु ने कहा कि 'सही पोषण एक स्वस्थ समाज की नींव है और ऐसे प्रयास जमीनी स्तर पर बड़ा बदलाव ला सकते हैं।' इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। यह पहल गाजियाबाद को कुपोषण मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।